CNews सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-17
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

एक सफल व्यक्ति बनने की कोशिश मत करो,
बल्कि मूल्यों पर चलने वाले व्यक्ति बनो

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 23 अप्रैल 2025

कैबिनेट मीटिंग : सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिए कई अहम फैसले

एमपी में ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी, 1 मई से होंगे तबादले

भोपाल। सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई है। कैबिनेट मीटिंग में कई अहम फैसलों को मंजूरी मिली है। इसमें सबसे अहम ट्रांसफर पॉलिसी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि स्थानांतरण नीति 2025 का प्रस्ताव अगली कैबिनेट बैठक में लाया जाएगा। इस नीति के अंतर्गत 1 मई से 31 मई 2025 तक ट्रांसफर किए जाएंगे। कैबिनेट बैठक से पहले अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया विभागीय नीति और नियमों के अनुरूप संचालित की जाएगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। एमपी सरकार ने कन्यादान निकाह योजना में भी बदलाव किए हैं। इसे कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी है।

जल संकट से निपटने को विशेष निर्देश प्रदेश में लगातार बढ़ रही जल समस्या को लेकर भी मुख्यमंत्री ने गंभीर रुख अपनाया है। प्रभारी मंत्रियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर जमीनी हालात का आकलन करें और समाधान सुनिश्चित करें। जल संग्रहण बढ़ाने के लिए स्टॉप डैम और अन्य संरचनात्मक उपायों को भी मंजूरी दी गई है।

इंदौर में 27 अप्रैल को होगा मेगा आईटी कॉन्क्लेव इंदौर में 27 अप्रैल को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में एक भव्य आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश-विदेश की 500 से अधिक टेक्नोलॉजी कंपनियों की भागीदारी संभावित है। यह आयोजन राज्य को डिजिटल इंडिया अभियान से जोड़ने और आईटी निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

गेहूं उपार्जन में नया रिकॉर्ड, अब तक 50 लाख मैट्रिक टन उपार्जन प्रदेश में अब तक 50 लाख 18 हजार मैट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। यह उपार्जन 2600 रुपए प्रति क्विंटल (एमएसपी 2425 + बोनस 175 रुपए) की दर पर किया गया। सरकार ने बताया कि 5 मई तक केंद्र सरकार का 60 लाख मैट्रिक टन उपार्जन लक्ष्य भी पूरा कर लिया जाएगा। अब तक 10,562 करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है।

टाइगर रिजर्व बफर ज़ोन के विकास के लिए 145 करोड़ राज्य के 9 टाइगर रिजर्व से लगे बफर क्षेत्रों में अगले तीन वर्षों (2025-2028) के लिए 145 करोड़ की योजना को सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। इस राशि से चेन लिंक फेंसिंग, वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन के अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बता दें कि इन बफर क्षेत्रों में टाइगर की संख्या 526 से बढ़कर 785 हो गई है, जो राज्य के वन्यजीव प्रबंधन की बड़ी सफलता मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में संशोधन सरकार ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना में अहम बदलाव करते हुए अब प्रति कन्या 55,000 रुपए की राशि में से 49,000 रुपए सीधे अकाउंट पेयी चेक के माध्यम से दिए जाएंगे। शेष 6,000 रुपए आयोजन की व्यवस्था के लिए स्थानीय निकाय को दिए जाएंगे।

- आवेदक का बीपीएल सत्यापन अब अनिवार्य होगा।
- वर-वधू की आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया आवश्यक होगी।
- सामूहिक विवाह आयोजनों में न्यूनतम 11 और अधिकतम 200 जोड़ों की सीमा तय की गई है।
- वार्षिक कैलेंडर के आधार पर संभाग स्तर पर सम्मेलन होंगे।

पहलगाम आतंकी हमला

अमित शाह ने कतार में रखे शवों को दी श्रद्धांजलि

पीएम मोदी शाम को करेंगे ...पीएम सीसीएस की बैठक

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में हाई अलर्ट जारी किया गया है। आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी श्रीनगर पहुंच गई है। आर्मी, सीआरपीएफ, एसओजी, जम्मू पुलिस ने पूरे इलाके को घेर रखा है। हेलीकॉप्टर और ड्रोन से आतंकियों की तलाश जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार (23 अप्रैल) को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। शाह ने पुलिस नियंत्रण कक्ष में पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। अमित शाह के लौटने के बाद शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक करेंगे।

एनआईए ने शुरू की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमले की जांच शुरू कर दी है। बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि एनआईए की एक टीम, पहलगाम भेजी गई है। टीम की अगुवाई इंस्पेक्टर जनरल कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह टीम स्थानीय पुलिस की जांच में मदद करेगी।

मोदी ली आपात बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोड़कर बुधवार सुबह भारत लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर ही मोदी ने आपात बैठक बुलाई। एनआईए अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव ने पहलगाम अटैक को लेकर मोदी को को ब्रीफिंग दी। बैठक में हमले की गंभीरता, अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और सुरक्षा रणनीतियों पर विस्तार से मंथन किया गया।

हम नागरिकों के साथ खड़े हैं कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल और जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने श्रीनगर में पहलगाम आतंकी हमले के मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। वेणुगोपाल ने कहा-पूरा देश मृतकों के परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए एकजुट है। हम सभी अपने नागरिकों के साथ खड़े हैं।

पाकिस्तान का कोई लेना-देना नहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का कोई लेना-देना नहीं है। ख्वाजा आसिफ ने एक पाकिस्तानी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में जो हिंसा हो रही है, वह घरेलू कारणों और विद्रोह के हालातों की वजह से हो रही है। उन्होंने भारत के कई हिस्सों जैसे नगालैंड, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और कश्मीर का नाम लेते हुए कहा कि इन राज्यों में भारत सरकार के खिलाफ विद्रोह है।

सऊदी हवाई क्षेत्र में पीएम मोदी के विमान को मिला विशेष सुरक्षा सम्मान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को सऊदी अरब के दौरे के लिए रवाना हुए। इस दौरान जब पीएम मोदी का विमान सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में पहुंचा, तो वहां के एफ-16 लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को सुरक्षा प्रदान की। यह एक विशेष सम्मान के रूप में देखा गया, जो भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत होते रक्षा संबंधों का संकेत है। मामले में जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी के विमान को सुरक्षा देते सऊदी लड़ाकू विमानों का एक वीडियो भी जारी किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब अपनी दो दिवसीय सऊदी अरब की यात्रा के लिए रवाना हुए। जैसे ही उनका विशेष विमान सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, रॉयल सऊदी वायु सेना के एफ-15 फाइटर जेट्स ने उनके विमान को सुरक्षा दी। रणधीर जायसवाल ने आगे अपने पोस्ट में आगे कहा कि यह इशारा भारत और सऊदी अरब के बीच बढ़ती दोस्ती और मजबूत होते रक्षा सहयोग का प्रतीक माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने इस पल का वीडियो भी जारी किया है, जो दोनों देशों के बीच गहरे भरोसे को दर्शाता है। साऊदी रवाना होने से पहले बोले पीएम मोदी सऊदी अरब रवाना होने से पहले एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत और सऊदी अरब दोनों का क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में समान हित है। उन्होंने सऊदी अरब को भारत का भरोसेमंद मित्र, समुद्री पड़ोसी और रणनीतिक साझेदार बताया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम सऊदी अरब को क्षेत्र में स्थिरता और सकारात्मकता की ताकत मानते हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग में बढ़ोतरी, आपसी विश्वास का प्रतीक है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह साझेदारी उभरती क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने और स्थिरता बनाए रखने की हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

अमरनाथ यात्रा से पहले आतंकियों ने पर्यटकों पर किया हमला, 6 घायल, एक की मौत

श्रीनगर- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया। ये आतंकी हमला पहलगाम के बैसरन में हुआ है। जानकारी के मुताबिक हमले में पर्यटकों समेत कुल छह घायल हुए। इसमें एक की मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। बताया जा रही है जंगलों में छिपे आतंकियों ने पर्यटकों पर अचानक गोलिबारी कर दी। इस हलमें के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। बता दें पहलगाम में हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक घूमने आते है। गर्मी के मौसम में पर्यटकों की संख्या अधिक रहती है। ऐसे में इस हमले के बाद प्रयटकों में डर का माहौल है। पिछले कुछ सालों में इस तरह का यह पहली घटना है जबकि आतंकियों की ओर से पर्यटकों को निशाना बनाया गया है। बता दें कि इस साल 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू होने वाली है। इससे पहले इस आतंकी हमले से सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, मौके पर सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाल लिया है। सेना के जवानों ने पहाड़ी इलाके को घेर लिया है। वहीं घायल पर्यटकों को इलाज के लिए भेजा गया है। घायल पर्यटकों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। इससे पहले 14 अप्रैल को सुरक्षा बलों ने लगभग 25 दिनों तक चले आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद किश्तवाड़ जिले के छत्रू वन क्षेत्र में एक अत्यधिक परिष्कृत और सुनियोजित आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया था। पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला यह ठिकाना लंबे समय तक जीवित रहने और संचार के लिए सुसज्जित था, जिससे उनकी तैयारी की गहराई का पता चलता है।

आतंकियों ने घने जंगलों में बनाया था ठिकाना अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों ने छत्रू के घने जंगलों में एक ठिकाना बनाया था, जिसमें आवश्यक जीवित रहने के उपकरण, कुरान सहित धार्मिक ग्रंथ और 10 से 15 दिनों के लिए पर्याप्त खाद्य आपूर्ति थी। सबसे खास बात यह है कि ठिकाने में एक कार्यशील वाई-फाई सेटअप, सौर पैनल, जीपीएस डिवाइस और यहां तक कि एक छुपा हुआ भूमिगत भागने का रास्ता भी शामिल था।

भोपाल से उड़ता हुआ किर्गिस्तान पहुंच गया गिद्ध

भोपाल। मध्य प्रदेश से एक अच्छी खबर आई है। एक घायल गिद्ध को इलाज के बाद जंगल में छोड़ा गया था। अब वह गिद्ध किर्गिस्तान पहुंच गया है। यह गिद्ध पहले सतना में घायल मिला था, जिसके बाद वन विभाग ने उसका इलाज कराया फिर उसे भोपाल के वन विहार में रखा गया। वहां से उसे छोड़ा गया था। दरअसल, गिद्ध के शरीर पर जीपीएस ट्रैकर लगाया गया था। इससे पता चला कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान होते हुए किर्गिस्तान पहुंच गया है। मध्य प्रदेश सरकार गिद्धों को बचाने के लिए कई काम कर रही है, जिससे इनकी संख्या भी बढ़ रही है। जनवरी महीने में सतना जिले के एक खेत में घायल गिद्ध की सूचना वन विभाग को मिली थी। वन विभाग ने इलाज देने के बाद गिद्ध को बचा लिया। फिर उसे भोपाल के वन विहार के वल्चर कंजर्वेशन सेंटर में भेजा गया। यहां दो महीने तक उसका इलाज और प्रशिक्षण हुआ। 29 मार्च को उसे हलाली डैम क्षेत्र में खुले आकाश में उड़ने के लिए छोड़ दिया गया।

गिद्ध ने बना दिया उड़ने का रिकॉर्ड इस गिद्ध ने उड़ते ही एक नया रिकॉर्ड बना दिया। यह विदिशा की पहाड़ियों से राजस्थान होते हुए पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ तक पहुंच गया। जीपीएस ट्रैकर से पता चला कि फिलहाल यह गिद्ध किर्गिस्तान में सुरक्षित है। वन्यजीव चिकित्सक डॉ. श्रवण मिश्रा ने बताया कि गिद्ध थोड़ा परेशान था और रास्ता भटक गया था। इलाज के बाद जीपीएस टैगिंग की गई थी। अब उसकी लोकेशन किर्गिस्तान में ट्रैक हो रही है।

वल्चर स्टेट बन रहा मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश को अब वल्चर स्टेट भी कहा जाने लगा है। यहां पन्ना टाइगर रिजर्व से लेकर गांधी सागर तक गिद्धों के लिए अछा वातावरण बनाया गया है। केरवा डैम में गिद्ध प्रजनन केंद्र बनाया गया है। यहां से अब तक सैकड़ों गिद्धों को खुले वातावरण में छोड़ा जा चुका है। हाल ही में भोपाल के हलाली जंगल क्षेत्र से छह गिद्धों को छोड़ा गया था। इन पर सौर ऊर्जा से चलने वाले जीपीएस ट्रैकर लगाए गए हैं। इन गिद्धों का जन्म केरवा के गिद्ध संवर्धन और प्रजनन केंद्र में हुआ था।

एमपी में अब कितने गिद्ध हैं

2019 में राय में 8397 गिद्ध थे। 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 10,845 हो गई है। पन्ना क्षेत्र में सबसे यादा गिद्ध हैं। यहां 900 से यादा गिद्ध पाए गए हैं। राय में गिद्धों की सात प्रजातियां देखी गई हैं। इनमें चार स्थानीय और तीन प्रवासी प्रजातियां शामिल हैं। 16 सर्कल के 64 डिवीजन में जो गिनती हुई, उसके मुताबिक आज की तारीख में प्रदेश में 12,981 गिद्ध हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई गंभीर चिंता

एआई ड्राइवरों की जगह लेगा तो लाखों नौकरियां हो जाएंगी खत्म

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के युग में, जहां एक ओर तकनीकी प्रगति लोगों को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है, वहीं दूसरी ओर इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों ने भारत के सुप्रीम कोर्ट को गहरी चिंता में डाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक सुनवाई के दौरान एआई के कारण ड्राइवरों की नौकरियों पर मंडरा रहे खतरे को लेकर गंभीर चिंता जताई। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर इस दिशा में सावधानी नहीं बरती गई, तो बड़े पैमाने पर बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिसके सामाजिक और आर्थिक परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यह टिप्पणी न केवल ड्राइवरों के लिए, बल्कि उन सभी पेशेवरों के लिए एक चेतावनी है, जिनके रोजगार एआआ और ऑटोमेशन की लहर से प्रभावित हो सकते हैं।

यह मामला सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन द्वारा दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आया, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों (इवी) को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन की मांग की गई थी। याचिका का प्रतिनिधित्व कर रहे सीनियर वकील प्रशांत

भूषण ने पर्यावरणीय चिंताओं पर जोर देते हुए तर्क दिया कि भारत में दुनिया के 15 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 शामिल हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अनिवार्य कदम बताया, लेकिन सुनवाई के दौरान चर्चा का केंद्र केवल पर्यावरणीय मुद्दे ही नहीं रहे। जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एआई और ऑटोमेशन के व्यापक प्रभावों पर विचार-विमर्श शुरू किया। कोर्ट ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता जताई कि स्वचालित ड्राइविंग सिस्टम और एआई-संचालित वाहन ड्राइवरों की नौकरियों को खत्म कर सकते हैं। जस्टिस सूर्य कांत ने कहा, हमें इस बात की चिंता है कि एआई ड्राइवरों की जगह ले सकता है। भारत में ड्राइविंग एक बड़ा रोजगार स्रोत है, और इसके खत्म होने से लाखों लोग बेरोजगार हो सकते हैं।

एआई की दोधारी तलवार सुप्रीम कोर्ट की यह चिंता उस समय सामने आई है

शक्कर छोड़कर बदली जिंदगी, 30 दिन में कई बीमारियां खत्म, बेहद खास थी डाइट

इंदौर। शुगर फ्री मासिक अभियान के पहले ही महीने में उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। इस अभियान में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने लगातार 30 दिन तक शक्कर और मिठाई का सेवन नहीं किया। एक सर्वे में शामिल 500 लोगों में से 76.7% ने बताया कि उनका एनर्जी लेवल पहले से अधिक हो गया है। वहीं, 56% प्रतिभागियों ने दावा किया कि उनका वजन कम हुआ है। 52% लोगों ने जोड़ों के दर्द में राहत मिलने की बात कही। 40% ने त्वचा में निखार महसूस किया और 20% का कहना था कि उनके जीवन में मानसिक और शारीरिक रूप से सकारात्मक बदलाव आए हैं।

2050 लोग जुड़े, 1800 ने निभाई शुगर से दूरी

अभियान प्रमुख नीरज याग्निक ने जानकारी दी कि यह शुगर फ्री अभियान 20 मार्च से 19 अप्रैल तक चलाया गया, जिसमें कुल 2050 लोग जुड़े। इनमें से 1800 लोगों ने पूरे महीने शकर और मिठाई से पूरी तरह परहेज किया। अभियान की समाप्ति पर सभी

प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। नीरज याग्निक ने यह भी बताया कि यह अभियान हर तीन महीने में चलाया जाएगा। इस दौरान व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए रोजाना तीन वीडियो साझा किए गए, जिनमें सुबह और शाम यह बताया जाता था कि क्या खाना है और क्या नहीं। इसके साथ ही एक डाइट चार्ट भी उपलब्ध कराया गया।

ये खाद्य पदार्थ रहे फायदेमंद, डाइट में किया गया शामिल

अभियान के दौरान लोगों को यह समझाया गया कि हरी सब्जियां, ताजे फल, दाल-चावल, रोटी, प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ जैसे पनीर और अंडे लाभकारी हैं। इसके अलावा गुड फैट जैसे नट्स, बीज, जैतून का तेल और बिना शकर का दही भी शरीर के लिए उपयोगी हैं। कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट जैसे शकरकंद, ब्राउन राइस, मल्टीग्रेन ब्रेड, साबुत अनाज का आटा और ओट्स भी डाइट में शामिल किए गए। वहीं दूध, चाय-कॉफी जैसे शुगर फ्री पेय को भी सुरक्षित माना गया।

इन खाद्य पदार्थों से दूर रहने की दी गई सलाह

अभियान के दौरान लोगों को स्पष्ट रूप से यह बताया गया कि शकर, सोडा, मीठी चाय-कॉफी, कोल्डड्रिंक्स, पैक्ड जूस और मीठे डेयरी उत्पाद जैसे शकरयुक्त दही, आइसक्रीम, चॉकलेटी दूध से वजन तेजी से बढ़ता है। इसके अलावा मीठे बिस्किट, कुकीज़, टोस्ट, केक, कैंडीज और एल्कोहल के सेवन से भी स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। इन सभी चीजों से परहेज करने पर लोगों को न केवल बेहतर स्वास्थ्य मिला, बल्कि उनकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिले।

थाने पहुंचे भाजपाई, कांग्रेसियों पर धाराएं बढ़ाने की मांग, अस्पताल के बाहर पिटाई का वीडियो वायरल

इंदौर। इंदौर में विधायक प्रतिनिधि कपिल पाठक के साथ हुई मारपीट का एक नया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो उस अस्पताल के बाहर का है, जहां कपिल घायल हालत में अपने परिजनों के साथ इलाज कराने पहुंचे थे। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि अस्पताल के बाहर ही आरोपियों ने एक बार फिर कपिल के साथ मारपीट की। इस वीडियो के सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पाठक परिवार के साथ विजय नगर थाने पहुंचे और तत्काल कार्रवाई की मांग की। कपिल की पत्नी विनीता पाठक ने पुलिस को घर और अस्पताल में घटी पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कपिल की हालत ऐसी है कि वह किसी को पहचान नहीं पा रहे, वहीं उनके पिता की स्थिति भी चिंताजनक है, उन्हें भी गंभीर चोटें आई हैं।

बीजेपी नगर अध्यक्ष ने उठाई कड़ी कार्रवाई की मांग

सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा रीगल चौराहे स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे। वहां उन्होंने अधिकारियों को बताया कि कपिल पाठक पर दो बार हमला किया गया। पहली बार उनके घर के बाहर हमला किया गया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद जब वह इलाज के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचे, वहां भी उन्हें आरोपियों ने नहीं बख्शा और दोबारा हमला कर दिया। मिश्रा ने पुलिस से अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की भी मांग की, ताकि आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए जा सकें।

पानी के टैंकर को लेकर शुरू हुआ था विवाद

यह पूरा विवाद शनिवार रात पानी के ट्रैक्टर को हटाने की बात पर शुरू हुआ था। हीरा नगर थाना क्षेत्र के सुखलिया इलाके में रहने वाले कपिल पाठक और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के बेटे और भतीजे के बीच कहासुनी हो गई थी। मामला इतना बढ़ गया कि चिंटू चौकसे के परिवार के लोग लाठी, डंडे और लोहे की रॉड लेकर कपिल पाठक के घर पहुंच गए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने पाठक के घर के बाहर खड़ी उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ की, जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

पुलिस ने की गिरफ्तारी, कांग्रेस नेताओं ने की मुलाकात

घटना के बाद हीरा नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर रविवार सुबह चिंटू चौकसे को गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें एमजी रोड थाने ले जाया गया और फिर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस घटना के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता पुलिस कमिश्नर से मिले और बाद में जेल जाकर चिंटू चौकसे से मुलाकात भी की।

वीआईपी नंबर 0001 का क्रेज खत्म, कभी 14 लाख में बिका था, अब 1 लाख में हुआ नीलाम

इंदौर। शहर में कभी सबसे अधिक डिमांड में रहने वाले वीआईपी गाड़ी नंबर अब लोगों की पसंद में नहीं रहे। लगातार दूसरी बार 0001 नंबर बिना किसी प्रतिस्पर्धा के मात्र एक लाख रुपए के बेस प्राइस पर ही बिक गया। इस नंबर को खरीदने के लिए केवल एक ही आवेदन आया, जिससे नीलामी में कोई प्रतिस्पर्धा ही नहीं बन पाई। कभी यह नंबर 13 लाख रुपए से भी अधिक में बिका करता था, लेकिन अब इसका आकर्षण खत्म होता दिख रहा है।

नीलामी में दिखा ठंडा उत्साह

संपन्न हुई वीआईपी नंबरों की नीलामी में एक नई सीरिज शुरू होने के बावजूद लोगों में कोई विशेष उत्साह नहीं दिखा। कुल 54 नंबरों की नीलामी हुई, जिनमें से केवल 5 नंबरों पर ही बोली लगी। शेष 49 नंबर बिना किसी बोली के न्यूनतम कीमत पर ही बिक गए। उम्मीद की जा रही थी कि 0001 नंबर के लिए कई दावेदार होंगे और यह ऊंची कीमत पर बिकेगा, लेकिन केवल एक ही आवेदन आने से यह नंबर मात्र एक लाख रुपए में ही नीलाम हो गया।

0013 नंबर ने खींचा ध्यान

आरटीओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस सप्ताह की नीलामी समाप्त हुई, जिसमें कुल 54 नंबर बेचे गए। इनमें केवल 0009, 7777, 8888, 4141 और 0013 नंबरों पर ही बोली लगी। उन्होंने यह बात चौंकाने वाली बताई कि जहां 0013 नंबर के लिए एक से अधिक आवेदन आए, वहीं 0001 नंबर के लिए केवल एक ही आवेदन मिला। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष वीआईपी नंबरों की नीलामी से विभाग को 11 करोड़ रुपए की आय हुई थी।

0001 नंबर ने कभी छुआ था 14 लाख का आंकड़ा

वर्ष 2016 में परिवहन विभाग द्वारा आयोजित नीलामी में इंदौर का सबसे महंगा नंबर ख्क-09 ष्ट-0001 रिकॉर्ड 14.01 लाख रुपए में बिका था।

इसके बाद भी यह नंबर एक बार 12.5 लाख रुपए में बिक चुका है। परंतु हाल के वर्षों में विभाग द्वारा सभी गाड़ियों के लिए एक ही सीरिज का सिस्टम शुरू करने और हर सप्ताह नीलामी आयोजित करने की व्यवस्था के कारण अब सीरिज जल्दी खत्म हो जाती है। इस वजह से 0001 जैसे नंबर जल्दी-जल्दी नीलामी में आ जाते हैं और इनका आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

इंदौर से कोयंबटूर के लिए शुरू होगी फ्लाइट:पहली बार शुरू होगी इंदौर से सीधी उड़ान

इंदौर। इंदौर से कोयंबटूर के बीच जल्द ही सीधी फ्लाइट शुरू होने वाली है। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर से कोयंबटूर के लिए एयर इंडिया फ्लाइट का संचालन करेगी। कंपनी ने इस फ्लाइट के संचालन की जानकारी अपने सोशल मीडिया पेज साझा की है, लेकिन फ्लाइट कब से शुरू होगी इसकी जानकारी नहीं दी है। इंदौर से लगातार यात्री कोयंबटूर के लिए यात्रा करते हैं। इस उड़ान के शुरू होने पर इंदौर से चेन्नई के बाद तमिलनाडु के लिए यह दूसरी उड़ान होगी, जिससे इंदौर का तमिलनाडु से संपर्क भी मजबूत होगा।

ट्रेवल एजेंट जोश ने बताया कि- एयर इंडिया नए मार्गों पर उड़ानें शुरू करने पर काम कर रही है। एयर इंडिया की ही सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस भी इंदौर से कई नई उड़ानें शुरू कर चुकी है। इनमें दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और गोवा की उड़ानें शामिल हैं। साथ ही कंपनी पहले से शारजाह की फ्लाइट भी संचालित कर रही है। जोश ने बताया कि इस फ्लाइट के शुरू होने से इंदौर का साउथ से संपर्क बेहतर हो सकेगा। व्यापार के लिहाज से भी यह फ्लाइट काफी फायदेमंद होगी। हालांकि कंपनी के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में अब तक उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली है। बता दें कि तमिलनाडु स्थित कोयंबटूर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर भी कहा जाता है। एयर इंडिया द्वारा इस मार्ग पर उड़ान शुरू किए जाने को लेकर अपने ऑफिशियल पेज के माध्यम से जानकारी जारी की गई है।

मॉस्को में महापौर भार्गव का प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण इंदौर के विकास मॉडल की हुई सराहना

इंदौर। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव रूस (मास्को) की पांच दिन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इसका उद्देश्य भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करना और इंदौर के सफल शहरी नवाचारों को वैश्विक मंच पर मजबूत करना है। मॉस्को में आयोजित दूसरे राष्ट्रीय नगर मंच के उद्घाटन सत्र में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे, स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं में भारत के अनुभव साझा किए। इस मंच पर उनकी उपस्थिति ने भारत की स्मार्ट सिटी योजनाओं और इंदौर के सतत विकास मॉडल को विशेष रूप से रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान विश्वभर से आए नगर प्रशासकों और अधिकारियों के साथ संवाद किया गया। एक भावनात्मक फोटो सत्र में सांस्कृतिक विविधता, सहयोग और साझा आकांक्षाओं की सुंदर झलक देखने को मिली।

भारतीय दूतावास भी पहुंचे महापौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भारतीय दूतावास पहुंचकर भारत के राजदूत विनय कुमार से मुलाकात की। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भारत के राजदूत विनय कुमार के साथ इंदौर और मॉस्को के बीच शहरी नवाचारों, विशेषकर वेस्ट मैनेजमेंट, रोड क्लीनिंग सिस्टम, और डिजिटल नगर प्रशासन में सहयोग की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा की। इस बातचीत में भार्गव ने इंदौर नगर निगम द्वारा मॉस्को मॉडल से क्या सीखा जा सकता है, इस पर ध्यान केंद्रित करते हुए द्विपक्षीय शैक्षणिक यात्राओं एवं तकनीकी सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

इंदौर की वैश्विक छवि को सशक्त किया

इस यात्रा में महापौर ने इंदौर की पहचान "स्वच्छता की राजधानी" के रूप में प्रस्तुत करते हुए, नगर प्रबंधन, जन सहभागिता और नवाचारों के मॉडल को साझा किया। उन्होंने इंदौर के 7 बार स्वच्छता में नंबर वन आने के पीछे की कार्यप्रणाली और नागरिक सहयोग की भूमिका को रेखांकित किया। महापौर ने कहा कि मॉस्को यात्रा उनके लिए न केवल व्यक्तिगत गर्व की बात है, बल्कि यह इंदौर और भारत के शहरी विकास मॉडल को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का एक दुर्लभ अवसर भी है। इन आयोजनों ने भारत और रूस के बीच सहयोग के कई नए दरवाजे खोले हैं।

धर्म, संस्कृति और संस्कारों की रक्षा हमारा दायित्वः प्रमोद दुबे

इंदौर। औदुम्बर ब्राह्मण समाज भवन जूनी इंदौर में भगवान परशुराम जयंती की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में सर्व ब्राह्मण युवा परिषद के अध्यक्ष प्रमोद दुबे ने कहा कि धर्म, संस्कृति और संस्कारों की रक्षा सुनिश्चित करना हम सभी का दायित्व है। वे परंपरा अनुसार भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा के संचालन और व्यवस्था को लेकर औदुम्बर ब्राह्मण समाज के सदस्यों तथा क्षेत्र के ब्राह्मणों से चर्चा करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों को समय अनुसार शस्त्र और शास्त्र दोनों का उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर युवा परिषद के समन्वयक कन्नू मिश्रा ने अक्षय तृतीया पर निकलने वाली परंपरागत शोभायात्रा की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत की और समस्त ब्राह्मण समुदाय से सपरिवार शामिल होने का आग्रह किया। औदुम्बर महासभा अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने संगठन की शक्ति को रेखांकित करते हुए कहा कि एकजुटता में ही सामर्थ्य है। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप जोशी ने कहा कि जन्म से ही नहीं, बल्कि कर्म से भी ब्राह्मण होना आवश्यक है। इस आयोजन में अजय चौधरी, योगेश द्विवेदी, निर्मल उपाध्याय, शैलेंद्र शर्मा, अजय बक्षी, कैलाश दुबे, गोविंद चौधरी, सुशील दुबे, आशीष दुबे, अशित बक्षी, अनिल जोशी, पुनीत दुबे, प्रहलाद दुबे, मोहित पुराणिक, दीपक चौधरी, अजय पुराणिक, तुषार जोशी, अश्विन शर्मा, सुनील दीक्षित, सुभाष द्विवेदी, मोनी जोशी सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अर्पित चौधरी (विक्की) ने किया और आभार दिलीप दुबे ने माना।

विश्वविद्यालय की अव्यवस्थाओं पर एबीवीपी का हंगामा, ज्ञापन सौंपा, दी चेतावनी

इंदौर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु को अव्यवस्थाओं के विरोध में आज ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कहा कि छात्र लगातार विश्वविद्यालय की अव्यवस्थाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इन सभी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन देने के समय बड़ी संख्या में छात्र संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने विश्वविद्यालय की अव्यवस्थाओं के विरोध में नारेबाजी भी की।

शिक्षकों की कम संख्या से पढ़ाई हो रही प्रभावित

छात्रों ने कहा कि कई जगह पानी की मूलभूत सुविधा ही नहीं है। भवनों की जर्जर हो रही है। स्वच्छता एवं वॉशरूम की खराब दशा की वजह से लगभग सभी विभागों में छात्र और शिक्षक परेशान हैं। कई जगह पर सीसीटीवी कैमरे निष्क्रिय हैं जिनकी वजह से बड़ी घटना होने पर भी जानकारी नहीं मिल पाती है। परिसर की बाउंड्री वॉल की समस्या लंबे समय से बनी हुई है और सड़क निर्माण कार्य में देरी से भी छात्र परेशान है। कई जगह शिक्षकों की कम संख्या की वजह से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

छात्राओं की सुरक्षा पर भी ध्यान नहीं

छात्रों ने ज्ञापन में लिखा है कि संपूर्ण परिसर की स्ट्रीट लाइट्स रात में बंद रहती हैं। छात्राएं जब रात में लाइब्रेरी से लौटती हैं, तो उन्हें अंधेरे में चलना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा संकट में रहती है। छात्रा छात्रावास के पीछे के गेट पर सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति नहीं है तथा वहां की स्ट्रीट लाइट भी बंद है। छात्रावास में सुविधाओं की कमी है। जिम के लिए प्रत्येक वर्ष शुल्क लिया जाता है, किंतु आज तक कोई जिम स्थापित नहीं किया गया है। साथ ही, खेल उपकरणों की भी भारी कमी है।

अवैध रूप से संचालित पटेल नर्सिंग होम सील

इंदौर। मंगलवार को जनसुनवाई में आई एक शिकायत पर कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित पटेल नर्सिंग होम को सील करने की कार्रवाई की है। कलेक्टर को शिकायत मिली थी कि पटेल नर्सिंग होम का अवैध रूप से संचालन किया जा रहा है। इसमें अनधिकृत डॉक्टरों द्वारा मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जो कि मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है। कलेक्टर ने इस शिकायत को तुरंत संज्ञान में लेकर कार्रवाई के लिए नायब तहसीलदार शिव शंकर जारोलिया को मौके पर भेजा। प्रारंभिक रूप से गड़बड़ियां मिलने पर शाम को अस्पताल को सील कर दिया गया।

15 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार, आईटी कंपनियां करेंगी 1 हजार करोड़ रुपए का निवेश

इंदौर में सीएम करेंगे पंचशील आईटी टेक्नो पार्क का शुभारंभ

इंदौर। इंदौर में 27 अप्रैल को आयोजित होने वाले आईटी कॉन्क्लेव में सीएम इंदौर को एक और आईटी पार्क की सौगात देंगे। यह आईटी पार्क पंचशील (इंफ्रा डेवलपर) द्वारा तैयार किया जाएगा और इसका नाम आईटी टेक्नो पार्क होगा। बताया जा रहा है कि इस पार्क में 15 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंदौर के महाप्रबंधक द्वारकेश सर्राफ ने जानकारी दी कि कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए देश-विदेश की लगभग 80 आईटी कंपनियों से जुड़ी कई हस्तियां आ रही हैं। द्वारकेश सर्राफ ने आगे बताया कि मुख्यमंत्री सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत सीसीआईपी के जरिए से

आवंटित 10 एकड़ जमीन पर 20 लाख वर्गफुट में आईटी बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। शुरुआत में आईटी कंपनियां लगभग 1 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेंगी, जिससे 15 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। सर्राफ के मुताबिक, सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क के अलावा मुख्यमंत्री सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित होने जा रहे 120-सीटर इन्क्यूबेशन सेंटर की भी शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही दो नई कंपनियों, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और कास्टनेक्स का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 10,248 वर्गफुट क्षेत्र में 100 स्टार्टअप्स के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री इस प्रोजेक्ट का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और आईआईटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सहयोग से सात सालों के लिए की जा रही है। इससे पहले, एमपीआईडीसी इंदौर के क्रिस्टल आईटी पार्क में भी एक इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू किया गया था।

सीएम ने निभाई शिक्षक की भूमिका, भावी वैज्ञानिकों से किया संवाद

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (मैपकॉस्ट) की 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा का मुख्यमंत्री निवास परिसर से शुभारंभ किया। उन्होंने इस यात्रा के लिए चयनित प्रतिभाशाली भावी वैज्ञानिक बच्चों को बधाई देते हुए उनके साथ संवाद भी किया। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में बच्चों से सवाल-जवाब भी किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ मुख्यमंत्री निवास परिसर से टेलीस्कोप द्वारा विभिन्न ग्रहों को देखा। उन्होंने विद्यार्थियों से अंतरिक्ष विज्ञान पर विस्तार पूर्वक संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं आप सभी के बीच मुख्यमंत्री या किसी शिक्षक नहीं मित्र के रूप में उपस्थित हूं। आपके जीवन के लिए यह विज्ञान मंथन यात्रा उपयोगी सिद्ध होगी। पाठ्य पुस्तकों के अध्ययन के साथ विद्यार्थी जब विज्ञान से जुड़े नामी-गिरामी संस्थानों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर वहां की कार्य पद्धति की

जानकारी प्राप्त करते हैं तो यह ज्ञान सिर्फ नौकरी के लिए नहीं बल्कि जीवन के लिए उपयोगी सिद्ध होता है।

मानव शरीर और प्रकृति का समन्वय
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानव शरीर और प्रकृति का भी समन्वय है। मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी प्रक्रियाएं जानने और समझने का विषय है। प्राण भी 5 प्रकार के हैं, जो श्वसन प्रणाली, हृदय, वाणी, पाचन प्रणाली, उत्सर्जन और प्रजनन प्रणाली और मांसपेशी के साथ परिसंचरण प्रणाली के रूप में जाने जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैपकॉस्ट जैसी संस्थाएं विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध करवाने की दिशा में सार्थक भूमिका निभा रही हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान पर बच्चों से बातचीत
मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बच्चों से प्रश्न किए कि पृथ्वी और चंद्रमा में से परिक्रमा कौन करता है? ग्रह और उपग्रह में क्या अंतर है? गुरुत्वाकर्षण शक्ति क्या है? ग्रहों की परस्पर दूरी का आकलन किस तरह होता है? विद्यार्थियों के सारगर्भित उत्तर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने यात्रा के लिए चयनित विद्यार्थियों के ज्ञान स्तर की प्रशंसा की।

प्रदेश के कुल 375 विद्यार्थियों का चयन
विज्ञान मंथन यात्रा पर जाने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। परीक्षा में सफल होने वाले प्रत्येक कक्षा के 20 चयनित विद्यार्थियों को 5 वर्ष तक 12 हजार रुपए प्रति वर्ष की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। यात्रा के लिए इस वर्ष कक्षा 10वीं से 12वीं विज्ञान विषय में अध्यनरत पूरे प्रदेश के कुल 375 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। इन चयनित विद्यार्थी में से दिल्ली जाने वाले समूह में प्रौद्योगिकी परिषद के आमंत्रण पर नेशनल साइंस सेन्टर, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ प्लांट जीनोमिक रिसर्च, इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीटयूट, राष्ट्रपति भवन और नई दिल्ली के संस्थानों का भ्रमण करेंगे।
चंडीगढ़ जाने वाले समूह के विद्यार्थी सेन्ट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंटस ऑर्गेनाइजेशन, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब स्टेट काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, गवर्नमेंट म्युजियम एंड आर्ट गैलरी संस्थानों का भ्रमण और वैज्ञानिकों से साक्षात्कार करेंगे। विद्यार्थी वन्दे भारत ट्रेन से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दिल्ली पहुंचने पर विज्ञान भारती द्वारा इन सभी भावी वैज्ञानिकों का स्वागत किया जाएगा।

भावी वैज्ञानिकों की तलाश
मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने स्कूली छात्र-छात्राओं में प्रदेश की भावी वैज्ञानिकों को तलाशने और उनमें विज्ञान शिक्षा के प्रति रुझान पैदा करने के लिए गत 16 वर्ष से मिशन एक्सीलेंस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश से चयनित विद्यार्थियों के दल को किताबी ज्ञान से अलग व्यावहारिक विज्ञान की दुनिया से रूबरू कराया जाएगा। विज्ञान मंथन यात्रा का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिभावान विद्यार्थियों को, जिनमें विज्ञान के प्रति अभिरुचि है, उनकी पहचान करना एवं उनके द्वारा चयनित क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से चलाये जाने वाले इस कार्यक्रम से चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा को चिन्हित कर अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से आगे बढ़ाए जाने का कार्य किया जा रहा है।

भोपाल में फिर धधकी कचरा खंती 50 फीट ऊंची लपटें उठीं

भवानी धाम में पेट्रोल पंप के पास कचरे के ढेर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में मंगलवार को आगजनी की 2 बड़ी घटनाएं हुईं। पहली घटना आदमपुर स्थित कचरा खंती में हुई। यहां दोपहर 1 बजे कचरे में भीषण आग लग गई। कचरे के पहाड़ में आग से 50 फीट ऊंची लपटें उठ गईं। 10 किलोमीटर दूर से भी धुआं उठते हुए नजर आया। शाम तक आग नहीं बुझ पाई। इधर, शाम को अयोध्या नगर स्थित नरेला जोड़ भवानी धाम में पेट्रोल पंप के पास कचरे में आग लगी। जिसने कुछ ही देर में पेड़ों को चपेट में ले लिया। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। पंप के पास लगे फ्लैक्स-बैनर भी पूरी तरह से जल गए। आग की लपटें 15 फीट तक उठ गईं। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। तुरंत दमकल मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। पुलिसकर्मी और राहगीर भी दौड़ पड़े। इससे आग पेट्रोल पंप तक पहुंचती, उससे पहले ही बुझा दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि आग काबू में नहीं आती तो बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि पंप कुछ फीट की दूरी पर ही था। इससे पहले दोपहर करीब 1 बजे खंती में पड़े कचरे में आग लगी, जो धीरे-धीरे भीषण हो गई। शाम तक आग पूरी तरह से काबू में नहीं आ पाई। इसे लेकर पर्यावरणविद् ने कटाक्ष भी

किया है। जनपद सदस्य संतोष प्रजापति ने बताया कि कचरे का धुआं आसपास के कई गांवों में पहुंच गया। जिससे लोगों की आंखों में जलन हो रही है। आदमपुर कचरा खंती में आग लगने के बाद पर्यावरणविद् सुभाष पांडे ने कहा कि पृथ्वी दिवस पर यह भोपाल नगर निगम की अद्भुत देन है। पिछले 18 महीने में 12वीं बार आग लगाई गई है। इस बार आग इतनी भयानक है कि कैम्पस के अंदर काम करने वाले मजदूर और गार्ड्स तक भाग गए। दमकल भी तब तक आग नहीं बुझा पाएगी, जब तक पूरा कचरा जलकर समाप्त न हो जाए। आधा भोपाल जानलेवा जहरीली हवा की चपेट में आ गया है। खंती में आग लगने की सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकलें मौके पर पहुंची और काबू पाने में जुट गईं। जनपद सदस्य प्रजापति ने बताया कि कचरे में आग लगी है। उसे बुझाने के प्रयास तो हो रहे हैं, लेकिन वह पूरी तरह से काबू में नहीं आ पाई है।

कचरे से निकलने लगा धुआं
बताया जाता है कि खंती के मुख्य गेट के पास आरडीएफ के ढेर से अचानक धुआं निकलने लगा। आग भड़की तो यहां मौजूद कर्मचारियों ने कचरा हटाने की कोशिश की। इसके बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाना शुरू किया।

हर साल लगती है आग
बता दें कि कचरा खंती में हर साल आग लगती है और हजारों क्विंटल कचरा जल जाता है। जनपद सदस्य प्रजापति का कहना है कि गर्मी के दिनों में बार-बार आग लगती है। कुछ दिन पहले भी भीषण आग लगी थी, जो काफी देर बाद काबू में आ पाई थी।

क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करने के नाम पर ठगी करने वाला जालसाज पकड़ाया

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच ने चार साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी ठग सैयद परवेज हाशमी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को कस्टमर केयर अधिकारी बताकर लोगों से क्रेडिट कार्ड ब्लॉक होने का झांसा देता था और ओटीपी लेकर उनके खाते से लाखों की ठगी करता था। गिरफ्तार आरोपी सैयद परवेज हाशमी दिल्ली के उत्तम नगर का रहने वाला है और उसने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। पुलिस जांच में सामने आया कि वह एक फर्जी कॉल सेंटर चलाकर भारतीय स्टेट बैंक का अधिकारी बनकर लोगों को कॉल करता। कार्ड ब्लॉक होने का डर दिखाकर क्रेडिट कार्ड की जानकारी और ओटीपी हासिल करता और फिर खातों से पैसे उड़ा लेता था।

क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करने का झांसा, फिर ओटीपी लेकर ठगी
गिरफ्तार आरोपी सैयद परवेज हाशमी दिल्ली के उत्तम नगर का रहने वाला है और उसने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। पुलिस जांच में सामने आया कि वह एक फर्जी कॉल सेंटर चलाकर भारतीय स्टेट बैंक का अधिकारी बनकर लोगों को कॉल करता। कार्ड ब्लॉक होने का डर दिखाकर क्रेडिट कार्ड की जानकारी और ओटीपी हासिल करता और फिर खातों से पैसे उड़ा लेता था।

क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करने का झांसा, फिर ओटीपी लेकर ठगी
गिरफ्तार आरोपी सैयद परवेज हाशमी दिल्ली के उत्तम नगर का रहने वाला है और उसने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है। पुलिस जांच में सामने आया कि वह एक फर्जी कॉल सेंटर चलाकर भारतीय स्टेट बैंक का अधिकारी बनकर लोगों को कॉल करता। कार्ड ब्लॉक होने का डर दिखाकर क्रेडिट कार्ड की जानकारी और ओटीपी हासिल करता और फिर खातों से पैसे उड़ा लेता था।

दानिशनगर-रोहितनगर में आज बिजली कटौती भोपाल के 30 इलाकों में असर

भोपाल। राजधानी के करीब 30 इलाकों में बुधवार को 30 मिनट से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें दानिशनगर, रोहित नगर, गौतम नगर, नारियलखेड़ा, छोला, शंकर नगर, शिव नगर जैसे कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में लोग जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बिजली नहीं होने की वजह से उन्हें परेशान न होना पड़े। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 9 से 9.30 बजे तक एवं दोपहर 12.30 से 1 बजे तक अरविंद विहार, एचआईजी-3 एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 10 से दोपहर 12.30 बजे तक रुद्राक्ष पार्क, स्पायर, आकृति इन्क्लेव, रॉयल महिंद्रा टाउनशिप, इंडस गार्डन, स्टार होम्स एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक के सेक्टर, शारदा कुंज, अरविंद नगर एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक रजत नगर, दानिश नगर, छप्पन क्वार्टर टीला, शंकर नगर, कल्याण नगर, शिवनगर, टिंबर मार्केट, छोला, निजामउद्दीन कॉलोनी, सागर ईस्टेट, सुख सागर कॉलोनी, सचितानंद नगर, गौतम नगर, नारियल खेड़ा, पीपल चौराहा, नगर निगम कॉलोनी, प्रेम नगर, गणेश नगर, कुंजन नगर, ज्योति नगर, रोहित नगर, सागर इडन गार्डन एवं आसपास के इलाके।

पोप फ्रांसिस के सम्मान में मध्यप्रदेश में दो दिन का राजकीय शोक,राष्ट्रीय ध्वज रहेगा आधा झुका

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। कैथोलिक समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन पर मध्य प्रदेश सरकार ने दो दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। राज्य सरकार ने यह निर्णय पोप के योगदान और वैश्विक प्रभाव को देखते हुए लिया है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और कमिश्नरों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। पोप फ्रांसिस का निधन सोमवार सुबह 88 वर्ष की उम्र में हुआ। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और बताया जा रहा है कि पिछले महीने उन्हें दोहरे निमोनिया के कारण करीब 38 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। राजकीय शोक के तहत 22 और 23 अप्रैल को राज्य भर में सभी शासकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इसके अलावा, पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार वाले दिन भी राजकीय शोक रहेगा। इस अवधि में किसी भी प्रकार के आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे। पोप फ्रांसिस इतिहास में पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे, जिन्हें विश्वभर में शांति, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। उनके निधन को लेकर दुनियाभर में श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है।

चार महीने का वेतन नहीं दिया और बिना गलती नौकरी से निकाल दिया

भोपाल। हमीदिया अस्पताल से 20 जनवरी को करीब 270 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया था। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसके पीछे बजट की कमी का हवाला दिया था। जिसके बाद प्रभावित कर्मचारियों ने अस्पताल में धरना प्रदर्शन भी किया था। अब इन कर्मचारियों ने मदद के लिए कलेक्टर से गुहार लगाई है। कर्मचारियों ने पत्र में लिखा है कि कंपनी ने उनका चार माह का वेतन रोक रखा है। इसके चलते परिवार का भरण-पोषण करना अब मुश्किल होता जा रहा है। उनका कहना है कि जब उन्होंने बकाया वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, तो उन्हें टारगेट कर नौकरी से निकाल दिया गया। पत्र में कर्मचारियों ने कहा है कि जिन 270 कर्मचारियों को निकाला गया है। उनमें 3 से लेकर 15 साल पुराने कर्मचारी शामिल हैं। इनके अलावा यह वो कर्मचारी हैं, जिन्होंने कोविड काल में दिन-रात ड्यूटी की है। कर्मचारियों ने कलेक्टर से मांग की है कि वे उन्हें अटका हुआ वेतन दिलाएं। साथ ही सभी निकाले गए कर्मचारियों को दोबारा नौकरी में रखवाएं। भोपाल के अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल पर स्वास्थ्य विभाग ने चुप्पी तोड़ी है। विभाग ने हड़ताल के लिए कुछ संगठनों को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही दावा किया है कि सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। वहीं, जेपी अस्पताल में आउटसोर्स कर्मचारी लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी हड़ताल पर रहे।

शराब दुकान हटाने के लिए बांधी आंखों पर काली पट्टी

भोपाल के सेमरा गेट के लोग 8वीं बार जनसुनवाई में पहुंचे; नारेबाजी की

भोपाल। भोपाल के सेमरा गेट साईंराम कॉलोनी के लोगों ने मंगलवार को कलेक्टोरेट पहुंचकर नारेबाजी की। उन्होंने आंखों पर काली पट्टी बांध रखी थी। लगातार 8 जनसुनवाई में आने के बावजूद दुकान की शिफ्टिंग नहीं होने पर उन्होंने विरोध का यह तरीका अपनाया। जनसुनवाई में अन्य लोग भी पहुंचे। ग्राम भाउपुरा रतनपुरा के कन्हैयालाल गुर्जर ने कहा, परिवार और संपत्ति की सुरक्षा के लिए कानून हाथ में लेने की अनुमति दी जाए। रहवासियों ने गेट पर खड़े होकर नारेबाजी की। हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर वे पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस मंगलवार को आठवीं बार जनसुनवाई में कलेक्टोरेट पहुंचे। पिछले 22 दिन से प्रदर्शन भी कर रहे। बावजूद दुकान को नहीं हटाया जा सका है। इसलिए मंगलवार को आंखों पर काली पट्टी बांधकर जनसुनवाई में पहुंचे। रहवासी जीतू मरोठिया ने बताया, दुकान हटाने की मांग को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।
इससे पहले सद्बुद्धि के लिए हवन भी कर चुके हैं। बावजूद अब तक दुकान को हटाने की पहल नहीं की गई। डॉ. अंबेडकर जयंती पर लोगों को शरबत भी पिलाया था।
कॉलोनी के लोग पहले भी जनसुनवाई में पहुंचकर शराब दुकान को दूसरी जगह पर शिफ्ट करने की मांग कर चुके हैं। कई महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंची थी। महिलाओं ने जल्द दुकान शिफ्ट नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी। उनका कहना है कि कई बार शराबी गंदी हरकतें करते हैं, जिससे बच्चों और महिलाओं को परेशानी होती है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। रहवासी विशाल कुरील, छोटू प्रजापति, शुभ जनता ने कहा कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन के बावजूद अब तक शराब की दुकान नहीं हटाई गई है। इसलिए अब उग्र प्रदर्शन करेंगे।

कांग्रेस की दो बड़ी बैठकों में संगठन को मजबूत करने बनी रणनीति

बैठक में कमलनाथ, अजय सिंह समेत कई नेता रहे नदारद

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी और राजनीतिक मामलों की बैठक मंगलवार को पीसीसी में आयोजित की गई। इस बैठक में पूर्व सीएम कमलनाथ, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, डॉ. गोविंद सिंह समेत कई दिग्गज नेता नदारद रहे। इस बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, जनसमस्याओं को प्राथमिकता देने, एवं आगामी आंदोलनों एवं अभियानों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू

पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूत रहे। बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि संविधान पर हो रहे हमलों को रोकने और जनता को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए यह अभियान निर्णायक साबित होगा। जीतू पटवारी ने कहा किहर कार्यकर्ता इस आंदोलन को अपनी जिम्मेदारी माने और हर गांव, हर वार्ड तक संविधान का संदेश लेकर जाए। हरीश चौधरी ने कहा कि सबको साथ मिलकर कांग्रेस को मजबूत करने में जुटना चाहिए। आज कांग्रेस को अर्जुन सिंह जैसे नेताओं की जरूरत है। जिस तरह अर्जुन सिंह सबको साथ लेकर चलते थे। उस तरह हर स्तर के नेता को काम करना चाहिए। अपने जिले के नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की कोशिश सबको करना चाहिए।

संविधान बचाओ अभियान पर विशेष चर्चा
बैठक का प्रमुख फोकस आगामी संविधान बचाओ अभियान पर रहा। निर्णय लिया गया कि 25 से 30 अप्रैल के बीच पूरे देश में संविधान बचाव रैली आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश में इस अभियान को 28 अप्रैल से ग्वालियर में एक भव्य रैली के साथ किया जाएगा। प्रदेश के प्रत्येक जिले में समस्त डीसीसी द्वारा पीसीसी के समन्वय से रैलियाँ आयोजित की जाएँगी। इन रैलियों में मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियाँ - बढ़ती बेरोजगारी, महँगाई, कृषि संकट, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली आदि मुद्दों को उजागर किया जाएगा। युवाओं, किसानों, मजदूरों और दलित समुदायों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।
हर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के विधायक, पूर्व जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता जनजागरण करेंगे। इडी, सीबीआई और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, संवैधानिक संस्थाओं की अवहेलना, महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के अधिकारों पर हमलों को उजागर किया जाएगा। हर घर तक पहुंचने के लिए कार्यकर्ता द्वार-द्वार जाकर संवाद स्थापित करेंगे। विशेष रूप से महंगाई, बेरोजगारी, संवैधानिक अधिकारों के हनन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अभियान साहित्य वितरित कर, सोशल मीडिया के माध्यम से भी संवाद को सशक्त किया जाएगा।

सम्पादकीय

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ 50501 आंदोलन से अमेरिका में लोकतंत्र की हुंकार

अमरीका के सभी 50 राज्यों में 50 विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं, लेकिन आंदोलन एक ही है, लिहाजा उसे 50501 नाम दिया गया है। ट्रंप जनवरी, 2025 में ही अमरीका के राष्ट्रपति चुने गए। सिर्फ तीन माह में ही जनता का सामूहिक विरोध और मोहभंग के भाव स्पष्ट होने लगे हैं। बेशक यह आश्चर्यजनक है। इसके कई कारण हो सकते हैं। समझ नहीं आ रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस कार्यकाल के दौरान क्या करना और क्या हासिल करना चाहते हैं?

अमरीका में राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया गया है। यह वाकई चौंका देने वाली, दुर्लभ घटना है। यह अमरीका में नागरिक आंदोलन की पराकाष्ठा है और राष्ट्रपति ट्रंप के सत्तावादी रवैये का घोर विरोध है। वैसे अमरीका में ही प्रदर्शनकारियों ने कैपिटल भवन (संसद) पर हमला बोल दिया था। उसके भीतर घुस कर जबरदस्त तोड़-फोड़ की थी। उस प्रकरण में ट्रंप को खलनायक करार दिया गया था, क्योंकि वह विपक्ष में थे और जो बाइडेन देश के राष्ट्रपति थे। अब अमरीका के सभी 50 राज्यों में 50 विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं, लेकिन आंदोलन एक ही है, लिहाजा उसे 50501 नाम दिया गया है। ट्रंप जनवरी, 2025 में ही अमरीका के राष्ट्रपति चुने गए। सिर्फ तीन माह में ही जनता का सामूहिक विरोध और मोहभंग के भाव स्पष्ट होने लगे हैं। बेशक यह आश्चर्यजनक है। इसके कई कारण हो सकते हैं। समझ नहीं आ रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस कार्यकाल के दौरान क्या करना और क्या हासिल करना चाहते हैं? उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व व्यापार संगठन आदि अंतरराष्ट्रीय महत्व के संस्थानों की आर्थिक मदद पर पाबंदी लगा दी। यही नहीं, हार्वर्ड विश्वविद्यालय की 2.3 अरब डॉलर की फंडिंग पर विराम लगा दिया। दलील दी गई कि यह विश्वविद्यालय वामपंथी और विघटनकारी छात्रों की नस्लें तैयार कर रहा है। अमरीका ही नहीं, दुनिया भर में बौद्धिक संपदा के निर्माण में इस शैक्षिक संस्थान का अमूल्य तथा अप्रतिम योगदान रहा है। शायद राष्ट्रपति ट्रंप को यह तथ्य ब्रीफ नहीं किया गया कि अमरीका के 16 राष्ट्रपति (ट्रंप नहीं) हार्वर्ड के ही छात्र थे और सबसे अधिक 161 नोबेल पुरस्कार विजेता भी इसी विश्वविद्यालय ने दिए हैं। सवाल अमरीकी राष्ट्रपति से किए जाते रहे हैं कि जिन्हें अमरीकी प्रशासन परंपरागत रूप से वित्तपोषित करता रहा है, उनकी आर्थिक मदद छीन कर क्या होगा? क्या राष्ट्रपति ट्रंप अपने निर्णय पर प्रायश्चित करने की मुद्रा में हैं? कमोबेश कोई भी संगठन, संस्थान या यूनिवर्सिटी इस तरह बंद नहीं होते। अचरज जताया जा रहा है कि ट्रंप ने जो टैरिफ नीति घोषित की थी और साझा कारोबार करने वाले प्रमुख देशों पर कर का बोझ लाद दिया था, क्या उससे अमरीका में नई फैक्टरियां खुलेंगी अथवा अमरीका अधिक समृद्ध देश बनेगा और महंगाई, बेरोजगारी की समस्याएं कम होंगी? इसके अलावा, राष्ट्रपति के खास सलाहकार, दुनिया के सर्वोच्च उद्योगपति एलन मस्क ने जिस योजना के तहत सरकारी नौकरियां छीनने की कवायद की है, क्या उससे अमरीका में सामाजिक सुरक्षा मजबूत और व्यापक होगी? अमरीका नागरिक स्वतंत्रता, वैचारिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार, लोकतंत्र, सामाजिक सुरक्षा सरीखे मूल्यों की बुनियाद पर टिका है। इन मूल्यों के लिए वहां कई सार्वजनिक संघर्ष किए गए हैं। अब प्रदर्शन के दौरान बैनर-पोस्टरों पर लिखा है—ट्रंप को अल सल्वाडोर की जेल में डिपोर्ट कर दिया जाए। राष्ट्रपति पर नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन को कमजोर करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। व्हाइट हाउस के अलावा मस्क की टेस्ला कार के शोरूम का भी घेराव किया जा रहा है। उनमें आगजनी की घटनाएं हुई हैं। आंदोलनकारी दलील दे रहे हैं कि हमारा मकसद ट्रंप प्रशासन के तहत बढ़ते सत्तावादी और तानाशाहीपूर्ण रवैये से लोकतंत्र को बचाना है। आंदोलन अहिंसक ही रहेगा। इन विरोध-प्रदर्शनों में कई राजनीतिक दल भी शामिल हैं, लिहाजा ट्रंप के लिए नागरिक और राजनीतिक चुनौतियां दोनों ही हैं।

भारत में तेजी से बढ़ती चीनी भाषा की मांग और उपयोगिता

कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके साथ ही चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियां ओप्पो, वीवो, श्याओमी, वन प्लस आदि भारतीय मोबाइल हैंडसेट बाजार के लगभग सत्तर फीसद हिस्से पर काबिज हैं।

बीते बीस अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र में चीनी भाषा दिवस मनाया गया। यूनेस्को के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा चीनी या मंदारिन ही है। इसे चीन के अलावा ताइवान, सिंगापुर, मलयेशिया, थाइलैंड, ब्रुनई, इंडोनेशिया और फिलीपिंस में भी इसका व्यवहार हो रहा है। मंदारिन को लेकर भाषा विज्ञानियों में मान्यता है कि यह कठिन भाषा है। हालांकि चीनी भाषाविदों ने इसे पिछली सदी के सत्तर के दशक से ही सहज बनाने की दिशा में बड़ा काम किया है। इसलिए यह पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा सहज हो गई है। इसलिए दुनियाभर में इसे सहज रूप से इसे स्वीकार भी किया जाने लगा है।

जहां तक भारत का सवाल है तो चीन के साथ सीमाओं पर जारी तनातनी के चलते चीनी भाषा की पढ़ाई और जानकारी के लिए भारत में भी क्रेज बढ़ रहा है। गलवान में भारत-चीनी सैनिकों के संघर्ष के बाद चीनी सीमा पर तैनात सैनिकों को चीनी भाषा की जानकारी और शिक्षा देने की कोशिशें हो रही हैं। बेशक भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी चीन है, लेकिन उसकी भाषा और हमारी भाषाओं के बीच संबंधों की कोई सहज कडी नजर नहीं आती। इसलिए इस भाषा को सीखना थोड़ा कठिन होता है। चीन की भाषा को मंदारिन कहते हैं और मंदारिन का शाब्दिक अर्थ ही होता है, कठिन। इसलिए इस भाषा को सीखने के लिए विशेष प्रयास की जरूरत पड़ती है। मंदारिन में 21 व्यंजन और 16 स्वर होते हैं। इन ध्वनियों को मिलाकर लगभग 420 अलग-अलग शब्दांश बनाए जा सकते हैं। जहां तक मंदारिन में स्वरों की बात है तो इसमें चार स्वर होते हैं। ये चार स्वर - पहला स्वर, दूसरा स्वर, तीसरा स्वर, और चौथा स्वर - कहे जाते हैं। ये स्वर एक शब्दांश के उच्चारण में बदलाव करते हैं और अर्थ को बदल देते हैं। इसके अलावा, एक तटस्थ स्वर भी होता है, जिसे मंदारिन के भाषा विज्ञानी पाँचवाँ स्वर भी मानते हैं। चीनी भाषा में, अक्षर को हांजी कहा जाता है। ये अक्षर, अंग्रेजी वर्णमाला या हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की तरह नहीं हैं। प्रत्येक अक्षर एक शब्द या अर्थ के लिए एक प्रतीक है। चीनी भाषा में हज़ारों अक्षर हैं, लेकिन दैनिक उपयोग में छह हजार से लेकर आठ हजार अक्षरों का प्रयोग होता है। इतने स्वरों को याद रखना आसान नहीं है, इसीलिए मंदारिन को कठिन भाषा कहा जाता है।

भारत में कई संस्थान चीनी भाषा के डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं, लेकिन यहां के कई विश्वविद्यालयों मसलन दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, कुमार मंगलम विश्वविद्यालय, गुरूग्राम, पंजाब विश्वविद्यालय, विश्वभारती, जामिया मिलिया इस्लामिया, सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ ही देहरादून के दून विश्वविद्यालय समेत कई विश्वविद्यालयों में चीनी भाषा की पढ़ाई होती है। लेकिन अब इसे चीनी सीमा से सटे राज्य उत्तराखंड के स्कूलों में भी पढ़ाया जाने लगा है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। जिसके तहत उत्तराखंड राज्य के पंद्रह सरकारी स्कूलों के 11 वीं और बारहवीं कक्षा के करीब ढाई सौ बच्चों को चीनी भाषा पढ़ाई जा रही है। इस पहल का मकसद स्कूली छात्रों को मंदारिन भाषा से लैस करना है। इसकी बड़ी वजह यह है कि वैश्विक बाजार में चीन की हिस्सेदारी बढ़ती चली गई है। इतना ही नहीं, चीन आज विश्व की नंबर दो आर्थिक महाशक्ति हो चुका है। इस वजह से चीनी संस्कृति और भाषा के साथ ही आर्थिकी की ओर दुनिया हाथ बढ़ा रही है। इसके लिए चीनी भाषा के कुशल लोगों की वैश्वक स्तर पर जरूरत बढ़ रही है। चीन की कंपनियों और बाजार से संपर्क अंग्रेजी के जरिए भले ही हो जाए,लेकिन वहां की असल जरूरत और समस्या को उसी की भाषा में ही समझा और जाना जा सकता है। इसीलिए चीनी भाषा को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता बढ़ी है। उत्तराखंड भी इसी वजह से अपने छात्रों को चीनी भाषा सिखा रहा है।

उत्तराखंड राज्य के पीएमश्री विद्यालयों में जारी इस परियोजना की नींव पौड़ी गढ़वाल के डीएम आशीष चौहान ने 2023 में रखी थी। बच्चों को मंदारिन पढ़ाने का विचार साल 2021 में तत्कालीन भारतीय सेनाओं के चीफ ऑफ स्टॉफ जनरल बिपिन रावत और दून विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल के बीच चर्चा के बाद आया था। दून विश्वविद्यालय के चीनी अध्ययन विभाग के अध्यक्ष शैंकी चंद्रा के अनुसार, अभी यह परियोजना ऑनलाइन चलाई जा रही है, क्योंकि विश्वविद्यालय के पास अभी फिजिकल क्लास के लिए जरूरी संसाधनों की कमी है। परियोजना के संचालकों के अनुसार, 'मंदारिन सीखने से वैश्विक स्तर पर नौकरी की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसकी वजह यह है कि चीन अब भी भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में एक है। बारहवीं पास कर चुके तीन छात्रों को मंदारिन की वजह से ही पिछले साल भारत के कुछ पड़ोसी देशों में ऊंचे वेतन पर नौकरियां मिल चुकीं हैं। वैसे भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ ही चीनी बाजार और कंपनियों के साथ काम करने वाली भारतीय कंपनियों में भी चीनी भाषा जानने वालों की मांग बढ़ी है। चीनी पर्यटकों के साथ काम करने वाले भारतीय होटलों और पर्यटन उद्योग को भी चीनी दुभाषियों की जरूरत बढ़ रही है। लिहाजा इन क्षेत्रों में भी चीनी भाषा के जानकारों की मांग बढ़ी है। एक कहावत है कि आप सबकुछ बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं। चीन भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी है। लिहाजा इस वजह से भी जरूरी है कि चीन की भाषा सीखी जाए। यह सोच भारतीय समाज में भी बढ़ रही है।

भारत और चीन कई अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से एक-दूसरे के सहयोगी है। भारत-चीन आर्थिक और वाणिज्यिक व्यापारिक संबंध कई प्लेटफार्मों के जरिए बन रहे हैं। आर्थिक संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संयुक्त समूह, सामरिक आर्थिक वार्ता, चीन का विकास अनुसंधान केंद्र, भारत-चीन वित्तीय वार्ता और अन्य संस्थागत तंत्रों के जरिए भारत और चीन के बीच संवाद और कारोबारी-बौद्धिक रिश्ते हैं। इसके साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय संगठन ब्रिक्स के सक्रिय साझेदार हैं। इतना ही नहीं, चीन की करीब 150 से अधिक कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में दोनों देशों का कारोबार आसमान छू रहा है। कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके साथ ही चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियां ओप्पो, वीवो, श्याओमी, वन प्लस आदि भारतीय मोबाइल हैंडसेट बाजार के लगभग सत्तर फीसद हिस्से पर काबिज हैं। इस वजह से भी चीनी भाषा की भारत में पूछ बढ़ रही है और वह जरूरत भी बनती जा रही है। चीन में सक्रिय भारतीय कंपनियों के लिए भी चीनी कंटेंट लेखकों और दुभाषियों की जरूरत बढ़ रही है। यही वजह है कि मंदारिन को लेकर भारत में भी जड़ता टूट रही है।

किताबों से करें दोस्ती, सफलता होगी आपकी हमसफर

पुस्तकें पढ़ने से आप एक ही जिंदगी में ढेर सारे अनुभव और समझ को विकसित कर सकते हैं। इसलिए अच्छी किताबें खुद भी पढ़ें और दूसरों को पढ़ने के लिए भी प्रेरित करें। सफलता पाने के लिए यह आदत जितनी जल्दी हम अपना लेंगे, उतना ही फायदा होगा। अगर आपको अपनी जिंदगी बदलने के लिए एक साल मिले तो आप कौनसा एक काम करना चाहेंगे? यदि आपका जवाब बहुत सारी किताबों का अध्ययन करना है तो आप उन खास लोगों में हैं, जो सच में जिंदगी बदलने को लेकर तैयार हैं। कुछ लोगों का मानना हो सकता है कि जिंदगी बदलने के लिए कुछ न कुछ करना होगा। लेकिन वह करना क्या है? कैसे करना है और क्या तरीके होंगे, उनके लिए कौनसी दक्षताएं सीखनी होंगी? यह सब हम किताबें पढ़कर सीख सकते हैं। एक बार यह सब आपको पता चल गया तो आप इस दुनिया के उन पांच प्रतिशत लोगों में शामिल हो जाएंगे, जो बदलाव लाते हैं। अगर आपको पढ़ना आता है और आप फिर भी नहीं पढ़ते हैं तो आप में और निरक्षर में कोई अंतर नहीं है। किताबें बहुत सारे अनुभवों और अध्ययन के बाद लिखी जाती हैं। पढ़ा-लिखा होने के बाद भी यदि हम सबसे कीमती खजाने यानी किताबों को इग्नोर करते हैं तो यह हमारा दुर्भाग्य है। हम जान-बूझकर उस खजाने को ठुकरा रहे हैं। कई महान लोगों ने किताबों को ही अपना सबसे अच्छा दोस्त माना है। किताबें वह जरिया हैं, जिनसे दुनिया में बदलाव आया है और आगे भी आता रहेगा। एलोन मस्क ने रॉकेट साइंस को सिर्फ किताबें पढ़कर खुद सीख लिया और परिणाम सबके सामने है। जब बात किताबों के अध्ययन की हो रही है तो यह हमारे स्कूली और कॉलेज की किताबों की नहीं है। यहां पर उन किताबों की बात हो रही है, जो अलग-अलग क्षेत्रों, व्यक्तियों, अनुभवों, विज्ञान, तरीकों, दक्षताओं और इतिहास पर लिखी गई हैं। इन सबके अध्ययन से ने केवल व्यक्तिगत सफलता को पाया जा सकता है, बल्कि एक नए समाज व देश के निर्माण में भी इनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। आपको हर तरह की पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। आप जिस फील्ड में मास्टरी हासिल करना चाहते हैं, उससे जुड़ी किताबें भी जरूर पढ़ें। स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति व धर्म का काफी गहन अध्ययन किया था। तभी तो वह बहुत प्रभावकारी तरीके से पूरी दुनिया के सामने अपनी बात रख पाए। महान वैज्ञानिक व पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम भी बहुत अध्ययन करते थे। उन्होंने खुद भी कई अच्छी किताबें लिखीं। हालांकि यहां पर यह भी महत्त्वपूर्ण है कि हमने जो पढ़ा है, उसको अपने जीवन में किसी न किसी रूप में ढालना है।

जीवन में दोस्त होना बेहद जरूरी है, क्योंकि उनके बिना ज़िंदगी अधूरी लगती है। एक ऐसा मित्र जो हमारे सुख-दुख में साथ दे, हमें बिना आंका समझे—ऐसा दोस्त हर किसी को चाहिए। और किताबें बिल्कुल वैसी ही होती हैं। ये जीवनभर हमारा साथ निभाने वाली सबसे अच्छी साथी हो सकती हैं। किताबें हमारे मन को अच्छे विचारों और ज्ञान से भर देती हैं, जैसे एक अच्छा मित्र करता है। जब हमारे पास किताबों का साथ होता है, तब हम कभी अकेले नहीं होते। एक अच्छी किताब पढ़ते हुए हम कई महत्वपूर्ण बातें सीख सकते हैं। प्रसिद्ध और अनुभवी लोगों द्वारा लिखी गई किताबें हमें बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती हैं और समाज की सेवा करने की राह भी दिखाती हैं। जब हम अकेले होते हैं, तो एक किताब का साथ न केवल सुकून देता है, बल्कि हमारे भीतर नई ऊर्जा भी भर देता है। किताबें ज्ञान का खजाना होती हैं और जीवन में मित्र, मार्गदर्शक और दार्शनिक की तरह काम करती हैं। किताबें हमें जीवन में महान कार्य करने और असफलताओं से उबरने की प्रेरणा देती हैं। हम जैसे अच्छे दोस्त से सीखते हैं, वैसे ही एक अच्छी किताब से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। किताबें अच्छी या बुरी हो सकती हैं, लेकिन उन्हें चुनने की जिम्मेदारी हमारी होती है। अच्छी किताबों से दोस्ती हमें एक अच्छा इंसान बनाती है, वहीं बुरी किताबें गलत राह पर ले जा सकती हैं। जब कोई साथ नहीं होता, तब भी किताबें हमारे पास होती हैं। वे हमें सपने देखने, उन्हें पूरा करने और सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रेरणा देती हैं। किताबें हमसे ज्यादा धैर्यवान होती हैं और हमें समझती हैं। वे हमें हमारे भावनाओं को महसूस करने देती हैं और सिखाती हैं कि दुखी होना भी इंसानी स्वभाव है। एक अच्छा मित्र जैसे हमें खुश करता है, वैसे ही अच्छी किताबें हमारे मन को प्रसन्न करती हैं और आत्मा को सुकून देती हैं। कभी-कभी तो वे हमें ज़ोर से हँसने पर मजबूर कर देती हैं।

किताबें हमें ज्ञानवान बनाती हैं, खुश रखती हैं और समझदार भी बनाती हैं। जो लोग नियमित रूप से पढ़ते हैं, वे अधिक ज्ञानी होते हैं, बनिस्बत उन लोगों के जो किताबों से दूर रहते हैं। इसलिए जीवन में किताबों को अपना सबसे अच्छा साथी बना लेना चाहिए। किताबों के कई कारण हैं कि क्यों वे हमारे सबसे अच्छे मित्र हैं—वे हमें जज नहीं करतीं, हमारी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचातीं और कई बार हमारी समस्याओं का हल भी देती हैं, जो शायद कोई और न दे सके।

हास्य से भरपूर किताबें हमें हँसाती हैं, थ्रिलर किताबें रहस्यों की गहराइयों में ले जाती हैं, सेल्फ-हेल्प किताबें हमें आगे बढ़ने और लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा देती हैं। सामाजिक विषयों पर लिखी किताबें हमें समाज के बारे में सोचने को मजबूर करती हैं—हम कहां जा रहे हैं, क्या सुधार करना है, पुराने रूढ़ियों को कैसे तोड़ना है, इत्यादि। संक्षेप में कहा जाए तो हर किताब किसी व्यक्ति की तरह होती है, जिसे हम जीवन में मिलते हैं। जैसे कहा जाता है मित्र सोच-समझ कर चुनो, वैसे ही किताबों का चयन भी सोच-समझ कर करना चाहिए—क्योंकि वे हमें बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं।

भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती में सेतु बनेंगी उषा वेंस

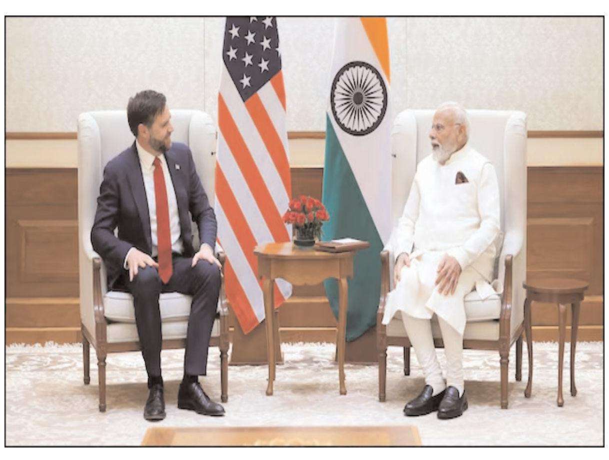

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी आत्मकथा %हिलबिली एलिजी ‍= ए मैमोरी ऑफ ए फैमिली एंड कल्चर इन क्राइसिस% में पत्नी उषा वेंस को अपनी आध्यात्मिक मार्गदर्शिका बताया। यह तो सभी जानते हैं कि उषा वेंस की जड़ें भारत से जुड़ी हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व के विषय में बहुत अधिक जानकारी भारतीयों को नहीं है। अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस इन दिनों अपने पति और तीनों बच्चों के साथ भारत दौरे पर हैं। उषा एक सफल वकील हैं और हिंदू महिला के रूप में पहली अमेरिकन सेकंड लेडी भी बनी हैं। उनकी भारतीय संस्कृति में गहरी आस्था है और वो हिंदू रीति-रिवाज को मानती हैं।

उषा वेंस का परिवार मूलरूप से आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। उनके पिता कृष्णा चिलुकुरी आईआईटी मद्रास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद 1980 के दशक में अमेरिका चले गए थे। जहां वो सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर हो गए। उनकी मां लक्ष्मी चिलुकुरी भी मॉलिक्यूलर बॉयोलॉजी की प्रोफेसर रही हैं। उषा के दादा राम शास्त्री चिलुकुरी आईआईटी मद्रास में भौतिक विज्ञान के पहले विभागाध्यक्ष रहे हैं। उनके नाम से आईआईटी मद्रास में छात्र पुरस्कार दिया जाता है। उषा वेंस के ब्राह्मण परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश के वड्डुरु गांव से जुड़ी हैं, जहां उनके पूर्वज संस्कृत के विद्वान थे।

उषा वेंस की दादी चिलुकुरी संथम्मा आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के निजी विश्वविद्यालय में फिजिक्स पढ़ा चुकी हुं और उन्होंने भगवत गीता की अंग्रेजी व्याख्या लिखी है। उषा वेंस का पूरा परिवार भारतीय संस्कृति और शिक्षा के प्रति गहरी श्रद्धा रखता है।

6 जनवरी 1986 को कैलिफोर्निया के सैन डिएगो काउंटी में जन्मी उषा वेंस ने इतिहास में स्नातक और दर्शनशास्त्र में एम.फिल किया है। उन्होंने येल लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री प्राप्त की। उषा ने येल-चाइना टीचिंग फेलो के रूप में चीन के ग्वांगझू में सन येत सेन यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी और अमेरिकी इतिहास पढ़ाया है। उषा की जेडी वेंस से मुलाकात येल लॉ स्कूल में हुई थी और दोनों ने वर्ष 2014 में भारतीय परंपराओं के अनुसार हिंदू रीति-रिवाजों से शादी की। उनके तीन बच्चे दो बेटे इवान और विवेक व बेटी मीराबेल रोज है। जेडी वेंस के उप राष्ट्रपति बनने के सफर में उषा का बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2024 के रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में उषा ने ही पति का परिचय दिया था और उनके कठिन बचपन तथा संघर्षों के विषय में बताया था। अपने पति के राजनीतिक करियर में उषा ने न केवल व्यक्तिगत, बल्कि मानसिक समर्थन भी दिया है। सार्वजनिक मंचों पर जेडी वेंस के अभियानों को मजबूती दी है।

उषा वेंस का फैशन सेंस भी दुनियाभर में चर्चा का विषय रहा है। उषा को उनके परिष्कृत और आत्मविश्वास से भरे लुक के लिए सराहा जाता है। एक समारोह में उन्होंने गुलाबी रंग की कोट ड्रेस पहनी थी, जो सोशल मीडिया और मीडिया में चर्चा का विषय बना था। भारत-अमेरिका संबंधों में उषा वेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वो भारतीय संस्कारों और हिंदू रीति-रिवाज को मानती हैं। शाकाहारी उषा वेंस की प्रेरणा से जेडी वेंस भी शाकाहार को अपनाने की ओर बढ़ चले हैं। भारत की बेटी उषा वेंस पर सभी भारतीयों को गर्व है। भारत के पक्ष को उषा वेंस अमेरिका में मजबूती से रखेंगी, यही उम्मीद सभी भारतीय करते हैं।

जिलाधिकारी ने की जनपद में निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा

परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समयबद्धता से पूर्ण करने के निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जनपद में महत्वपूर्ण निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में स्पोर्ट्स कॉलेज बेहट, तहसील रामपुर मनिहारान का अनावासीय भवन, अबेंडकर स्टेडियम में बॉक्सिंग कोर्ट, हैबिटेट सेंटर, सीएचसी गंगोह एवं देवबंद में 50 शैय्या फील्ड हॉस्पिटल, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गंगोह, राजकीय मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज, प्रमुख सडकों एवं पुलों का निर्माण, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हनी, राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज गागलहेडी एवं देवला, राजकीय आईटीआई नागल एवं गंगोह सहित जनपद में निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा हुई।
डीएम मनीष बंसल ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि यदि किसी परियोजना में शासन स्तर पर पत्राचार किया जाना है तो उनके स्तर से पत्र भिजवाया जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि जनपद की पूर्ण परियोजनाओं को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति के माध्यम से संबंधित विभाग को हस्तानान्तरित कराया जाए। इसी के साथ पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए नियुक्त अधिकारियों को समय- समय पर निरीक्षण कर निरीक्षण आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया कैलाशपुर वैटलैण्ड का औचक निरीक्षण

मानव जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण अति आवश्यक – जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा कैलाशपुर वैटलैण्ड का औचक निरीक्षण किया गया। डीएम मनीष बंसल ने इस अवसर पर कैलाशपुर वैटलैण्ड के सौन्दर्यीकरण को बनाए रखने हेतु स्वच्छता को बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंदगी को दूर किया जाए। इससे न केवल पर्यावरण दुषप्रभाव पैदा होते है बल्कि स्वास्थ्य भी गडबड होने की संभावना रहती है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि सौन्दर्यीकरण बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि इस क्षेत्र पर अतिक्रमण न हो। इसके दृष्टिगत अधिकारी इसकी पैमाईश करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वैटलैण्ड एवं पर्यावरण के द्वारा ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। आज पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है, जिस कारण मानव को स्वास्थ्य संबधी बहुत सी समस्याएं उत्पन्न हो रही है। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने के साथ वैटलैण्ड को संरक्षित करने की अपील करते हुए कहा कि वैटलैण्ड को बायोलोजिकल सुपरमार्केट भी कहा जाता है क्योंकि इनका पारिस्थितिकी तंत्र जल चक्र द्वारा जल को शुद्ध करता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, एसडीएम सदर सुबोध, एसडीओ वन संयोगिता चौहान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पन्ना जिले की तीन तहसीलों में वॉइस ऑफ मीडिया के अध्यक्ष नियुक्त संगठन की बैठक में सिमरिया

रेपुरा और शाहनगर में की गई जिम्मेदारियों की घोषणा

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ
पन्ना, वॉइस ऑफ मीडिया संगठन ने जिले की तीन प्रमुख तहसीलों – सिमरिया, रेपुरा और शाहनगर में संगठनात्मक ढांचा मजबूत करते हुए तहसील अध्यक्षों की नियुक्ति की है। यह नियुक्तियाँ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक शर्मा के निर्देश पर की गईं। संगठन की जिला इकाई के नेतृत्व में सिमरिया, रेपुरा एवं शाहनगर में बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला अध्यक्ष राकेश पाठक, उपाध्यक्ष मदन तिवारी, महासचिव अनूप शुक्ला, कार्यकारिणी अध्यक्ष विनोद पाठक तथा जिला प्रवक्ता दीपक द्विवेदी की विशेष उपस्थिति रही नियुक्तियाँ शाहनगर तहसील: जयप्रकाश पाण्डेय को अध्यक्ष, कविता पाण्डेय एवं प्रिय प्रकाश को उपाध्यक्ष तथा सतीश विश्वकर्मा को सचिव नियुक्त किया गया। रेपुरा तहसील: आशीष सिंह को तहसील अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।सिमरिया तहसील:पुण्यप्रताप सिंह को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इन नियुक्तियों के माध्यम से वॉइस ऑफ मीडिया ने तहसील स्तर पर अपने संगठन को सक्रिय करते हुए स्थानीय पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और अधिकारों की रक्षा हेतु मजबूत कदम उठाया है। जिला अध्यक्ष राकेश पाठक ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे निष्पक्ष पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखते हुए संगठन की गरिमा को आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर सिमरिया से मुकेश चौरासिया, देवेंद्र द्विवेदी, धीरज द्विवेदी, राम अवतार पाठक, आफिर आली, भगवान दास विश्वकर्मा तथा शाहनगर से जीतेंद्र दुबे, अनिल द्विवेदी, चरणजीत बंजारा, कपिल मिश्रा, शिवकुमार यादव और नत्थू यादव सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। संगठन की यह पहल जिले में पत्रकारों की एकजुटता और संगठन की जमीनी मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सहारनपुर में जिला प्रशासन लिया एक्शन

जनपद के सभी क्षेत्रों में सार्वजनिक चौराहों एवं बाजारों में अवैध रूप से लगाये गये होर्डिंग हटवाए गए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में जनपद के सभी क्षेत्रों में सार्वजनिक चौराहों एवं बाजारों में अवैध रूप से लगाये गये होर्डिंग हटवाए गए।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि शासन के निर्देश पर सुरक्षा के लिए, अप्रिय घटनाओं से बचाव हेतु तथा परिवहन की सुगमता एवं अतिक्रमण मुक्त करने के दृष्टिगत जनपद में लगाये गये अवैध होर्डिंग तत्काल हटवाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध होर्डिंग के विरुद्ध यह अभियान निरंतर चालू रहेगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा बैठक

25 अप्रैल तक कराएं अधिक से अधिक ऋण योजनाओं को स्वीकृत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि 25 अप्रैल तक अधिक से अधिक ऋण योजनाओं को स्वीकृत कराएं। सभी बैंकों एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि इस महत्वकांक्षी योजना में फोकस करते हुए कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि बैंकवार अपनी टीम लगाकर उनकी समस्या का समाधान कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के 2000 लक्ष्य सहित इस वर्ष के निर्धारित लक्ष्य 2700 है। जिसके सापेक्ष कुल 1527 अभी तक आवेदन प्राप्त हुए है। इस वित्तीय वर्ष में 80 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है तथा 47 परियोजनाओं को उद्योग स्थापना हेतु ऋण प्रदान किया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा एसबीआई को 80 एवं पीएनबी को 100 ऋण वितरित कराने के निर्देश दिए गये। इसके साथ ही अन्य बैंकों में प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष में यथाशीघ्र ऋण वितरण के लिए कहा। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अनावश्यक आपत्ति लगाकर ऋण योजनाओं के आवेदन पत्रों को निरस्त न किया जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत कार्य को कलेक्ट्रेट सभागार में ही बैठकर करने को कहा गया। इसके तहत 03 घण्टे में परिणामों में वृद्धि देखी गई। योजना के तहत स्वीकृत आवेदनों की सख्या 51 से बढकर 80 हुई तथा ऋण वितरण 25 से बढकर 47 हुआ। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि यह उत्तर प्रदेश सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना है जिसके अन्तर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करते हुए इन उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किये जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने हेतु प्रतिवर्ष 01 लाख नई सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने के लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना में 5 लाख रूपये तक ऋण जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से बैंकों द्वारा वितरित किए जायेंगे। योजना में मुख्य रूप से 10 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी जो ब्याज मुक्त योजना है।

बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान समारोह के अवसर पर संगोष्ठी

खरगोन- संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी के सम्मान समारोह के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी खरगोन द्वारा दिनांक 23 अप्रैल को दोपहर 12 बजे भाजपा जिला कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। प्रदेश संगठन के निर्देश पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती नन्दा बाहमणे द्वारा उक्त कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित किया है जिसमे संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में अनिल फिरोजिया सासंद उज्जैन,और श्रीमति अर्चना चिटनिस पूर्व मंत्री एवं विधायक बुरहानपुर होंगे ।वक्ताओं द्वारा कांग्रेस ने जो बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का जीवन भर अपमान किया और सदैव उपेक्षा करके धोखा दिया । वहीं भाजपा ने सदैव उनका सम्मान किया ।इसी विषय को लेकर वक्ता द्वव संगोष्ठी में अपेक्षित अनुसूचित जाति वर्ग से संगोष्ठी के माध्यम से वक्ता अपनी बात रखेंगे ।संगोष्ठी में अध्यक्षता गजेन्द्र सिंह पटेल सांसद खरगोन,बड़वानी, ज्ञानेश्वर पाटिल सांसद खंडवा, जिला अध्यक्ष श्रीमती नन्दा बाहमणे,श्रीमती अनुबाई तंवर अध्यक्ष जिला पंचायत ,बालकृष्ण पाटीदार विधायक खरगोन,राजकुमार मेव विधायक महेश्वर, सचिन बिरला विधायक बड़वाह,श्रीमती छाया जोशी नपा अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित होंगे ।उक्त कार्यक्रम का संयोजन जिला संयोजक डॉ भागीरथ कुमरावत,सह संयोजक चंद्रशेखर भालसे, मांगीलाल गाडगे, काशीराम ने किया है ।

अक्षय तृतीय पूर्व ही लगातार दुसरे दिन रोके गये 7 बाल विवाह

अभी ब्याहने की क्या जल्दी, थोडा पढ़ लिख जाने दो माँ मेरे भी कुछ सपने हैं, मुझको भी तो अवसर दो

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी , एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.एस वर्मा के मार्गदर्शन में दमोह जिले में लगातार दीवार लेखन, रेली, मीटिंग्स, प्रशिक्षण के माध्यम से मैदानी अमलों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही इनके द्वारा एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के किशोर साथिया एवं ब्रिग्रेड द्वारा जन सामान्य को जागरूक किया जा रहा है । इसके परिणाम स्वरुप विवाह के सीजन में लगातार गुप्त सूत्रों से सीधे जिला कलेक्टर, चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098,एवं अधिकारियों तक लगातार बाल विवाह की सूचनाएं प्राप्त हों रही है, प्राप्त सूचनाओं के आधार पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, एस.जे.पी.यु, दल के सहयोग से मौके पर पहुंचकर बाल विवाह रोके जाने हेतु सक्रियता से कार्यवाही की जा रही है । इसके परिणाम स्वरुप आज दिनांक को भी गोपनीय सूचना के आधार पर गठित टीम के द्वारा 7 बाल विवाह रोके जाने हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 अनुसार समझाईस देकर कार्यवाही की गई थी । इसी कड़ी में 22 अप्रैल 2025 को महिला बाल विकास परियोजना शहरी अंतर्गत 1 एवं जबेरा अंतर्गत 6 जिसमे थाना जबेरा सीमा अंतर्गत दो बाल विवाह सिंग्रामपुर चौकी सीमा अंतर्गत तीन बाल विवाह एवं नोहटा थाना सीमा अंतर्गत एक जो कल रोका गया था बाल विवाह रुकवाये गये ।बाल विवाह रोकथाम वाले दल में जिसका नेतृत्व परियोजना अधिकारी रिंकल घनघोरिया एवं परियोजना अधिकारी सुलेखा ठाकुर सेक्टर पर्यवेक्षक अंकिता जैन, सुंदरलाल अहिरवार पर्यवेक्षक अन्नपूर्णा दुबे एवं पर्यवेक्षक दीपा कोरी एवं संबंधित थाने के पुलिस कर्मी तथा संबंधित ग्राम की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं । ज्ञातव्य है, कलेक्टर जिला दमोह बाल विवाह जैसी कुरूति को रोकने हेतु गंभीर हैं जिसके परिणाम स्वरुप जिले में लगातार सर्वप्रथम तो प्रशासन की धुरी माने जाने वालीं मैदानी अमलों सेक्टर पर्यवेक्षकों, आशा, आगनबाडी कार्यकर्ताओं, ए.एन.एम आदि को प्रशिक्षित किया जा रहा है साथ ही विवाह के सीजन में होने वाले बाल विवाह रोकथाम हेतु टीम सकिर्यता से पुलिस विभाग एवं पंचायत विभाग के समन्वय से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मुस्तेदी से बाल विवाह को रोक रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कोचर जिला दमोह के निर्देशन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन व बाल संरक्षण अधिकारी अनंतराम कुर्मी, जिला समन्वयक ममता एच.आई.एम.सी द्वारा जिला स्तर से समन्वयन का कार्य किया जा रहा है । कलेक्टर जिला दमोह द्वारा बाल विवाह होने की शिकायत या सूचना दमोह हेल्प लाइन 07812-350300 एवं चाइल्ड हेल्प लाइन न 1098 पर दर्ज कराई जा सकती है । शिकायतकर्ता अथवा सुचना देने वाले की जानकारी पुर्णतः गोपनीय रखी जायेगी।

1200 किलोग्राम डोडाचुरा मय कन्टेनर ट्रक कुल 56 लाख रुपये का मश्रुका जप्त

रतलाम जिले मे अवैध मादक पदार्थ तस्करो के विरूद्ध प्रभारी कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार के द्वारा सभी थाना प्रभारियो को निर्देशित किया गया था । इसी तारत्मय मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतलाम राकेश खाखा व नगर पुलिस अधीक्षक जावरा दुर्गेश आर्मो , के निर्देशन मे थाना प्रभारी जावरा शहर निरीक्षक जितेन्द्र सिंह जादौन द्वारा जावरा शहर पर टीम बनाकर मुखबिरो को सक्रिय किया इसी तारतम्य मे उनि. रघुवीर जोशी द्वारा अपनी टीम के साथ मुखबीर सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के समस्त प्रावधानो का पालन करते व प्रभावी कार्यवाही करते हुए दिनांक-21.04.2025 को सर्कीट हाउस के सामने रोड जावरा थाना जावरा शहर जिला रतलाम से आरोपी सतविंदर सिह उर्फ गोपी पिता कंवरजीत सिह जाति सिक्ख उम्र 34 साल निवासी ग्राम म.न.138 गोविन्द नगर बलोकी तहसील नकोदरा जिला जालंधर पंजाब व सुखदेवसिह पिता सुच्चा सिह जाति सिक्ख उम्र ङ्क 37 साल निवासी ग्राम शैरो तहसिल तरणतारण जिला तरणतारण पंजाब को एक कन्टेनर क्रमांक ।क्र -38 ङ्ङ ङ्क 4627 मे स्कीम के अंतर्गत कंटेनर मे एक छुपा हुआ केबिन बनाकर उसमे अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा काले व सफेद रंग के प्लास्टिक के 60 बोरो मे भरा कुल वजन 1200 किलोग्राम के साथ रखा गया था जिसे मुखबिर सुचना पर पकडा जाकर आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया । उक्त मामले में थाना जावरा पर अप.क्रं- 136/2025 धारा- 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया आरोपी उक्त अवैध मादकपदार्थ उज्जैन होते हुए इंदौर ले जाने वाले थे वहा से कही अन्यत्र प्रदेश मे तस्करी होने वाली थी आरोपीयो को न्यायालय पेश कर आरोपी का पीआर प्राप्त कर आरोपी से डोडाचुरा के स्त्रोतो संबंध मे पूछताछ की जानी है जप्त शुदा डोडाचुरा की अंतराष्ट्रीय बाजार मे कीमत करीबन 36,00,000 रूपये(छत्तीस लाख रुपये) है । गिरफ्तार आरोपी - 01 सतविंदर सिह उर्फ गोपी पिता कंवरजीत सिह जाति सिक्ख उम्र 34 साल निवासी ग्राम म.न.138 गोविन्द नगर बलोकी तहसील नकोदरा जिला जालंधर पंजाब 02 सुखदेवसिह पिता सुच्चा सिह जाति सिक्ख उम्र ङ्क 37 साल निवासी ग्राम शैरो तहसिल तरणतारण जिला तरणतारण पंजाब जप्त मश्रुका- काले व सफेद रंग के प्लास्टिक के 60 बोरो मे भरा मादक पदार्थ डोडाचुरा कुल वजन 1200 किलोग्राम जिसकी अंतराष्ट्रीय किमत करीबन 36,00,000 रूपये, एक कन्टेनर क्रमांक HR -38 -X - 4627 कीमती करीब 20,00,000 रुपये । कुल किमती मश्रुका 56,00,000/-रुपये (छप्पन लाख रुपये) का जप्त किया गया । सराहनीय भुमिका - निरीक्षक जितेन्द्र सिह जादौन, उनि.रघुवीर जोशी , प्र आर जाकीर खान, प्रआर अजय दुबे , प्रआर.मृदंग सातपुते , आरक्षक सुरेन्द्रपालसिह,आरक्षक यशवंत जाट,आरक्षक राधेश्याम चौहान, आरक्षक रवि कुमार ,आरक्षक ललित जगावत ,आरक्षक शैलेन्द्रसिह , आरक्षक नारायणसिह , आरक्षक रामप्रसाद मीणा की सराहनीय भूमिका रही ।

लावारिस अवस्था में मिले घायल के मामले में बलकवाड़ा पुलिस का बडा खुलासा

चोरी करने घुसे चोर को पकडकर पिटाई करने से हुई मौत

खरगोन ग्राम कोटवार की सूचना पर ग्राम सिंगाचोरी में मार्डन डेयरी के पास में घायल मिलने पर थाना बलकवाडा चौकी खलटांका पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल को ईलाज हेतु ठीकरी सरकारी अस्पताल पहुंचाया था लेकिन अस्पताल पहुंचते ही घायल ने दम तोड दिया था। जिस पर से थाना बलकवाडा पर मर्ग क्रमांक 31/25 धारा 194 भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता का कायम कर जांच में लिया गया । पुलिस द्वारा मर्ग जांच कै दौरान पाया कि मृतक के शरीर में काफी गंभीर चोटे होकर हत्या का मामला प्रतीत हो रहा था। मृतक के जेब से एक बंद मोबाईल मिला था जिसे चालु कर परिजनो को सूचना देने पर मृतक का नाम

कैलाश पिता भुरसिंह जाति बारेला उम्र 35 वर्ष निवासी उबदगढ चौकी बोकराटा थाना पाटी जिला बडवानी का होना पाया जाने पर परिजनो को बुलाया गया ।मृतक का पीएम कराया गया। जिसमें मृतक की मौत चोटो से होकर हत्या होना पाया गया। जिस पर से आरोपीगणों की जानकारी प्राप्त कर अपराध क्रमांक 212/25 धारा 103,127,190,101(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया थाना प्रभारी बलकवाडा निरीक्षक रितेश यादव द्वारा तत्काल थाना और चौकी की एक टीम बनाकर स्वयं नेतृत्व करते हुये उक्त कत्ल गुत्थी सुलझाने में लग गये।

इस दौरान पुलिस टीम द्वारा कार्य करते हुये थाना प्रभारी व उनकी पूरी टीम द्वारा पूरे औघोगिक क्षैत्र का भ्रमण कर जानकारी एकत्र की। इस दौरान मूखबिर व अन्य माध्यमों से सूचना मिली कि लाखन जाम्बेकर के मकान में उक्त घायल चोरी करने घुसा था जिसे पकड लिया गया था। पकडने के बाद उक्त चोर को बांधकर लाखन जाम्बेकर पिता दिलीप जाम्बेकर निवासी ग्राम खलबुजुर्ग पुनर्वास कालोनी सिंगाचोरी रोड के पास, विकास रंधावा पिता सुखलाल रंधावा निवासी गुलाटी थाना धरमपुरी जिला – धार हाल मुकाम खलबुजुर्ग पुनर्वास सिंगाचोरी रोड, द्वारा मारपीट की गई जहाँ से मृतक कैलाश भाग निकला जिसपर विकास पिता कालु वसुनिया उम्र 23 साल निवासी पुनर्वास एशियन कालोनी सिंगाचोरी रोड, मोहन पिता दरियाव वसुनिया उम्र 45 साल निवासी पुनर्वास खलबुजुर्ग, मुकुन्द उर्फ आनंद पिता विकास चौधरी उम्र 28 साल ग्राम गनोर थाना बेहपुर तहसील नरेन्द्रपुर जिला भागलपुर (बिहार) हाल मुकाम पुनर्वास खलबुजुर्ग द्वारा पीछे खेत में पकड़कर मारपीट की तथा पकड़कर विकाश की दुकान के सामने लाए जहाँ एक विधि विरुद्ध बालक द्वारा लकडी तथा गाँठ मुक्को से मारपीट की जिससे उसे काफी चोटे आई। आरोपीगण द्वारा मारपीट कर घायल कर उसे मार्डन डेयरी के पास रोड किनारे फेक गये जहां पर घायल की पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

मराल कामगारों का पाँच वर्षीय वेतन वृद्धि समझौता

खरगोन

कसरावद क्षेत्र के मराल ओवरसीज में कार्यरत स्थाई कर्मचारी के लिए मराल प्रबंधन व मराल कामगारों के प्रतिनिधि संघ कामगार एकता संगठन 5590 के बीच 21 अप्रैल को पाँचवा दीर्घकालीन समझौता 5 वर्षों 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2029 तक के लिए संपन्न हुआ जिसके अंतर्गत कामगारों को 5 वर्ष में सभी लाभों सहित कुल रुपए 3751 का वेतन वृद्धि लाभ व बदली श्रमिकों को कुल रुपए 2451 का वेतन वद्धि लाभ प्राप्त होगा साथ ही समय समय पर महंगाई भत्ते की वृद्धि का लाभ भी मिलेगा ।कामगारों की इस वेतन वृद्धि से पूरे कामगारों में हर्ष व्याप्त है वह सभी सभी ने इसका भरपूर समर्थन किया है साथ ही विश्वास दिलाया है कि मराल

के कामगार अनुशासन और मेहनत से मराल के विकास में अपना योगदान निरंतर देते रहेंगे ।

मराल प्रबंधन की ओर से अध्यक्ष तरुण बलदुआ, जी ,एच आर वाइस प्रेसिडेंट मनोज ठक्कर ,कमर्शियल वाइस प्रेसिडेंट संजय बोलिया, डीजीएम एचआर पीके सिंह व एजीएम एचआर केके नायर ने समझौते पर हस्ताक्षर किए वही कामगार एकता संगठन की और से महामंत्री भालचंद साल्वी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप साल्वी, उपाध्यक्ष अखलाक खान, उपाध्यक्ष महेश पाटीदार, नजीर खान बबीता, जमुना, सुनीता,कला , कमल ,धर्मेंद्र,सुनील तंवर,त्रिलोकी पासवान,चवन वर्मा आदि प्रतिनिधियों ने समझौता पर हस्ताक्षर किए व मराल प्रबंधन को इस बेहतरीन वेतन वृद्धि के लिए धन्यवाद प्रस्तुत किया ।

वकील के घर चोरी, अधिवक्ता संघ द्वारा एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

खरगोन

चोरों को शीघ्र पकड़ने की मांग।

विगत दिनों कसरावद नगर के अंगुर नगर कॉलोनी निवासी अधिवक्ता सचिन बाथम एवं कॉलोनी के अन्य रहवासियों के घरो में हुई चोरी के संबंध में अधिवक्ता संघ द्वारा एक ज्ञापन एसडीएम सत्येनसिंह बैरवा को मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए सौंपा।

ज्ञापन का वाचन करते हुए अधिवक्ता श्री ए.आर. मीणा ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि अधिवक्ता सचिन बाथम एवं अन्य रहवासियों के घरो में हुई नगदी एवं आभूषण जिसमें अधिवक्ता सतीश बाथम के घर से रूपये डेढ लाख एवं आभूषण करीब ढाई लाख की चोरी एवं अन्य मकानो में हुई चोरी के अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर माल की बरामदगी की जाये साथ ही अधिवक्ता संघ ने मांग की है कि नगर में पोलिस की लापरवाही एवं निष्क्रियता के कारण विगत एक माह से लगातार हो रही चोरियों के संबंध में त्वरित कार्यवाही की जाये, चोरो के हौंसले बड़ते जा रहे है तथा चोर पुलिस कर्मचारियों पर हमला कर रहे हैं, साथ ही पुलिस कर्मचारियों एवं अधिवक्तागणों के घरो पर भी चोरी की नियत से हमला कर रहे है। चोरो के हौंसले यह दर्शाते हैं कि चोर दिनदहाड़े ही नगर की कॉलोनियों में चोरी एवं लूट को अंजाम दे रहे है। अभी तक किसी भी चोरी की घटना में कोई भी संदिग्ध पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। सीसी टीवी फुटेज में संदिग्धों के दिखाई देने के बाद भी चोर पकड़ में नहीं आ रहे हैं। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष राजीव सोहनी एवं पूर्व सचिव बृजेश कुमार व्यास ने अधिवक्ता संघ के सभी सदस्यों के साथ मौजुद होकर मांग की है कि चोरी में लिप्त अपराधियों को शीघ्र से शीघ्र पकड़ा जावे, नही तो अधिवक्ता संघ एवं नगर के नागरिक पुलिस प्रशासन के विरूद्ध आंदोलन करने हेतु बाध्य होगा। फरियादी अधिवक्ता सतीश बाथम ने मुख्यमंत्री एवं एसपी खरगोन से मांग की है कि नगर की कॉलोनियों में पुलिस की रात्री गश्त को बड़ाया जाये, कॉलोनीयों में घूमते संदिग्धों की पहचान कर उनसे पूछताछ की जाये तथा अपराधियों को शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तार कर घर से चुराये गये कीमती आभूषणों एवं नगदी को चोरो से प्राप्त कर दिलाये जाये ।इस दौरान अधिवक्ता अरूण सोहनी, अरविंद पाटीदार, डी. आर. पटेल, अक्षय राठौड, शिशिर मोयदे, सचिन गुप्ता, ईमरान खान, कु. खुशी पालीवाल, खुशबु पटेल, नारायण जायसवाल, के.सी. दुबे, अवधेश पंवार, जितेन्द्र पटेल, संतोष पटेल, कार्तिक यादव, रवि पटेल, विष्णु पटेल उपस्थित थे।

पानी की समस्या जो स्टाफ है वह भी परेशान

स्टाफ में नया तो कोई आना नहीं चाहता जो है वह भी संतुष्ट नहीं

उज्जैन

चापाओहेड़ा के गांव से दूर बने शासकीय हॉस्पिटल जहा वर्तमान में पानी की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है, हॉस्पिटल का जो ट्यूबवेल है वह तो कभी से ही पानी नहीं होने से बंद पड़ा हुआ है, वही पंचायत द्वारा जो नल की व्यवस्था है, उसमें भी एक नल तो पास में है, जबकि एक नल हॉस्पिटल से दूरी रोड के उस पार है, चापाखेड़ा शासकीय जहा स्टॉप की काफी कमी है सुविधाओं लेनभाव में कोई यहां आना नहीं चाहता ओर वर्तमान की व्यवस्थाओं के चलते तो जो वर्तमान में पदस्थ है, वह भी परेशान हैं, ऐसे में यह भी कही यहां से जाने का मन ना बना ले ! शासकीय हॉस्पिटल के इस भवन में वर्तमान में पानी की काफी समस्या है ओर यहां जो स्टॉप रहता है उसको स्वय के खर्च पर पानी के टैंक मंगवाने पद रहे है ज़बकी वर्तमान में अगर कोई मरीज वहां इलाज के लिए जाते है तो पीने के पानी की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है ओर कार्यरत कर्मचारी अपनी अपनी पानी की

बोटल से ही काम चलाने पर मजबूर है ! हॉस्पिटल के बाहर एक होल लगा तो है पर उसमें पानी ही नहीं है !

1 करोड़ का भवन वाटर टैंक नहीं चापाखेड़ा में शासकीय हॉस्पिटल का यह भवन लगभग 1 करोड़ का भवन है किंतु इस भवन में वाटर टैंक नहीं बना हुआ है अब जिम्मेदारों ने उस समय क्या ध्यान दिया जबकि वाटर टैंक ओर सेप्टिक तो किसी भी भवन की पहलि प्राथमिकता होती है, ओर इस एक करोड़ के भवन में आखिर वाटर टैंक क्यों नहीं बना हुआ है ! वही पानी का टैंक नहीं होने के कारण पानी बाहर से मंगवाने के बाद सीधे ऊपर रखी टंकियों में पहुंचाना होता है जिसके के कारण काफी दिक्कतें पानी को ऊपर पहुंचाने में आती है !

दो दिन में नल लगाने की बात मामले में चापाखेड़ा सरपंच प्रतिनिधी ने यहां नल कनेक्शन जो कि पूर्व है किंतु वह हॉस्पिटल के पास नहीं है, उसको हॉस्पिटल तक पहुंचाने की बात कही है हालांकि यह पानी की समस्या का स्थाई हल नहीं है ! इतना बड़ा हॉस्पिटल जहा पर्याप्त पानी होना चाहिए वहां पानी ही नहीं !

एक्सप्रेस रोड के लिए भूमि का चिन्हांकन

अभी तक किसानों को यह नहीं पता कितना मुआवजा मिलेगा

उज्जैन

उज्जैन जावरा के बीच ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे रोड बनना है यह रोड उज्जैन से होते हुए जावरा 8 लाइन पर टच होता है इस रोड से कई घंटे का सफर कई मिनट में तय किया जाएगा, शासन इस एक्सप्रेस को बनाकर विकास की ओर बढ़ रहा है ओर होना भी चाहिए ओर किसान का भी रोड बनने से कोई विरोध नहीं है, लेकिन विषय यह है कि भूमि अधिग्रहण का काम भी चालू हो गया है भूमि अधिग्रहण करने के लिए खंबे कुछ गांवों में लगाए जा चुके है तो कुछ गांवों में लगाए जा रहे है रोड को बनाने वाली कंपनियों ने टेंडर भी हो गए लेकिन अब तक किसान को यह पता नहीं है कि उसे जमीन का मुआवजा क्या मिल रहा है, और उसे यह तक पता नहीं की रोड वास्तव में कितना ऊपर जाएगा ना तो किसानों के पास कोई नोटिस है और ना ही किसी सरकारी

अधिकारियों के पास किसानों को संतुष्ट करने वाला जवाब ! इस रोड के बनने से किसानों का विरोध नहीं है किसान केवल यह चाहता है कि एक तो उसको उसकी भूमि का उचित मुआवजा मिलना चाहिए साथ ही, यह जो रोड बन रहा है यह जमीन से लगा हुआ हो ना कि इसको ज्यादा ऊपर उठाया जाए ! किंतु किसानों के इन दोनों हो सवालों का जवाब किसानों को अभी तक नहीं मिला है, जबकि उसकी कीमती भूमि जोकि रोड के लिए अधिगृहित होनी है उसके ऊपर खंबे लगाए जा रहे है ! मजबूर किसान जाए तो कहां जाए किसके पास जाएं !

आवारा कुत्तों के हमले में काटने से कक्षा चौथी के मासूम रुद्राक्ष कि असामयिक मृत्यु

धार आवारा कुत्तो के हमले में काटने से कक्षा चैथी के मासुम रूद्रांश की असमायिक मृत्यु और तथाकथित एनिमल वेलफेयर एक्टीविस्ट द्वारा आक्रमक कुत्तों को न.पा. के माध्यम से पकडने से रोकने के कारण हो रही जनहानी की घटनाओं की रोकथाम हेतु ज्ञापन बाबत धार नगर के जनसामान्य नागरिको द्वारा बस्तीयों मे खुले में घुमते आवारा कुत्तों द्वारा जनहानी किये जाने से व्यथित होकर ज्ञापन दिया जा रहा है। दिनांक 15 फरवरी 2025 को धार नगर के बनियावाडी क्षेत्र में आवारा कुत्ते एकत्रित होकर ट्यूशन जा रहे चैथी कक्षा के मासुम रूद्रांश घोडेकर पर हमला कर दिया, जब तक की आस-पास के राहगीर बच्चे को बचाते तब तक कुत्ते उसे काट चुके थे। परिवार द्वारा उसका ईलाज करवा किन्तु मासुम द्वारा दिनांक 11 अप्रेल 2025 को अंतिम सांस ली। इससे घोडेकर परिवार पर दुखों का पहाड़ टुट गया साथ ही नगरवासी भी इस ह्रदय विदारक घटना से व्यथित है। इस घटना को समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है। सुलभ संदर्भ हेतु सामाचार पत्र की छायाप्रति संलग्न है। 15 फरवरी की घटना के तुरन्त पश्चात नगर पालिका की टीम द्वारा घटना स्थल से इन आक्रमक कुत्तों में से एक कुत्ते को जाल के माध्यम से पकड़कर शेल्टर किया जा रहा था किन्तु तथाकथित एनिमल वेलफेयर एक्टीविस्ट जो विभिन्न एन.जी.ओ. से जुड़े हुए बताते है द्वारा नगर पालिका की टीम को एबीसी(डोग्स) कानुन के प्रावधानों का हवाला देते हुए धमकाकर उसी वक्त छुडवा दिया। जबकी ईलाज के दौरान मासुम रूद्रांश में रैबिज का संक्रमण पाया गया है इससे स्पष्ट होतो है कि उक्त पकड़े गये कुत्ते में भी रैबिज था, जिसे कानुन को आधे-अधुरे रूप से

परिभाषित करते हुए एनिमल वेलफेयर एक्टीविस्ट द्वारा नगर पालिका की टीम से उक्त आक्रमक कुत्ते को पुनः जनता के बिच छुडवा दिया। यह एक मात्र घटना नही है आये दिन इस प्रकार की घटनाएं आस-पास में घटीत होती रहती है। पास के ग्रामीण अंचल में भी मासुम बालिका पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया था जिसमें बालिका गंभीर रूप से घायल हुई थी। नालछा विकास खण्ड में इसी प्रकार की एक घटना में मासुम का निधन हो गया था। कुछ उग्र कुत्तो के झुण्ड स्थान विशेष पर बाईक सवारों के पिछे दौडते हुए अनैक दुर्घटनाओं को अंजाम दिया जाता है जिसमें बड़ी संख्या में बाईक सवार गंभीर रूप से घायल होते रहते है। ऐसे उग्र कुत्तों को कुछ दिनों के लिये शेल्टर भेजा जाना चाहिए। पशु क्रुरता अधिनियम 1960 के तारतम्य में पशु जन्म नियंत्रण नियम (एबीसी) 2001 तथा सन् 2011 में हुए संशोधन में आवारा कुत्तों (स्ट्रीट डाग्स) से आमजनमानस की सुरक्षा तथा इन पशुओं पर अत्याचार के संबंध में नियम निर्धारित किये गये है। जिसमें मुख्य रूप से आवारा कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण हेतु नसबंदी तथा एंटी रेबीज वेक्सीनेशन पर प्रकाश डाला गया है। नियम में सामुहीक रूप से कुत्तों को पकड़ कर उन पर अत्याचार किये जाने को निषेध किया किन्तु साथ ही नियम 7(1) व नियम 10 में कुत्तों के उपद्रव, कुत्तों के काटने और पागल कुत्तो को लैस्सोइंग या सॉफ्ट लूप एनिमल कैचर्स से पकड़ने के संबंध में दिशा निर्देश दिये गये है। नियम 7(9) में रेबीज संक्रमित व पागल कुत्तों को पशु चिकित्सकों की निगरानी में मानवीय तरीके से मृत्यु दिये जाने के प्रावधान किये गये है। इस प्रकार एबीसी-2001 में उग्र व रेबीज संक्रमित आक्रमक कुत्तों को पकड़ने तथा उनको शेल्टर में रखकर स्वभाविक मृत्यू तथा आवश्यकता होने पर मानवीय तरीके से मृत्यू तक दिये जाने का प्रावधान है, स्थानीय नगरीय निकाय इन उग्र व काटने की घटना को अंजाम देने वाले कुत्तों को स्थानीय निवासियों की सूचना पर पकड़ने हेतु टीम भी भेजती है किन्तु ऐनिमल वेलफेयर ऐक्टीविस्ट द्वारा इन नियमों की अनदेखी कर सभी प्रकार के आवारा कुत्तों को पकड़ने से रोक लगाकर जनता की जिंदगी से खिलवाड़ किया जाता है जो कि उचित नही है। इससे जनहानी हो रही है। जबकी इस संबंध में कानुन स्पष्ट है। इस समस्या के निराकरण हेतु एबीसी-2001 के नियम-4 में स्थानीय निकाय में समिति गठन का प्रावधान किया गया है। जिसमें स्थानीय निकाय का अधिकारी अध्यक्ष होकर एनिमल वेलफेयर एक्टीविस्ट सहित विभिन्न प्रकार के सदस्यों को रखने का प्रावधान है। साथ ही नियम 6 में इस समिति के दायित्व व कुत्तो को पकड़ने व नसबंदी तथा टीकाकरण वाले कार्य किये जाने हेतु नियमों का निर्धारिण किया गया है। कुत्तो के काटने या मासुमों पर हमला किये जाने की घटना होने पर क्षेत्र की जनता इस समिति को शिकायत देगी तथा संबंधित उग्र / रेबीज से संक्रमित कुत्ते का चिन्हांकन कर उसे पड़ने के अधिकृत निर्देश समिति द्वारा नगर पालिका के डॉग केचर टीम को देगी तथा इस प्रकार की समस्या के निराकरण का पूर्ण दायित्व इस समिति का ही होगा। इससे अतिमोहवश भावना में बहकर कोई तथाकथित एनिमल लवर निकाय के कार्यो को अनाधिकृत रूप से रोक नही पायेगा। सुलभ संदर्भ हेतु नियम की प्रति संलग्न। पशु जन्म नियंत्रण नियम-2001 के नियमों की मूल भावना के साथ पशु जन्म नियंत्रण नियम-2023 की कण्डिका 16 में कुत्तों के काटने या पागल कुत्तों से संबंधित शिकायतों का समाधान के प्रावधान किये गये है। साथ ही नियम 9(2), (3), (4) व 13 के क्रम में अनुसूची-2 के माध्यम से कण्डिका 3 के द्वारा स्थानीय पशु जन्म नियंत्रण निगरानी समिति का गठन का उल्लेख करते हुए नियम निर्धारित किये गये है। अतः इस ज्ञापन के माध्यम से हम धार निवासी विनम्र निवेदन करते है कि नगर में हो रही कुत्तों के काटने की घटनाओं की रोकथाम हेतु एबीसी-2001 व एबीसी-2023 के प्रावधानानुसार एक सप्ताह में समिति का गठन करवाते हुए उग्र व रेबीज संक्रमित कुत्तों को पकडने की व्यवस्था धार नगर पालिका सहित प्रत्येक नगरीय निकाय में सुनिश्चित करवायी जाये ताकी भविष्य में किसी मासुम के साथ कोई दर्दनाक घटना घटीत ना हो तथा साथ ही मासुम रूद्रांश घोडेकर के निर्धन परिवार द्वारा ईलाज में किये गये अत्यधिक चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के रूप में रेडक्रास आदि के माध्यम से उचित आर्थिक सहयोग प्रदान किये जाने हेतु निवेदन है। नगर वासियों ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन शीघ्र उचित कदम नहीं उठाता है तो यह व्यापक जैन आंदोलन करेंगे इस प्रकार की घटना केवल नगर पालिका की निष्क्रियता नहीं बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा के प्रति लापरवाही का परिणाम है इस अवसर पर कालीचरण सोनवानिया जय राज देवड़ा हुकुम लश्करी चेतन राठौड़ अजीत जैन गेंदालाल अनीता लश्करी ज्योति सोनवानिया सलोनी पिपलोदिया शिव पटेल राजेश डाबी ममता जोशी विनय छाबड़ा प्रवीण मकवाना निलेश काशीवाल मिलन पाल डॉक्टर कमल जैन नमन रावल संजय पौराणिक विपिन राठौर गुंजन सोनवानिया कैलाश पिपलोदिया व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दूल्हा बनने के अलावा राजकुमार राव ने इन फिल्मों में निभाया दमदार किरदार, खूब हुई तारीफ

राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में शादी में हो रही मुश्किलों को दिखाया गया है। फिल्म में राजकुमार राव की शादी होने में कई अड़चनें आती हैं। राजकुमार राव की कई फिल्में हैं जिनमें शादी के मुद्दे को दिखाया गया है। इन फिल्मों में शादी में जरूर आना, बधाई दो और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो शामिल हैं। इस खबर में हम आपको राजकुमार राव की उन फिल्मों के बारे में बता रहे हैं जिनमें उन्होंने दूल्हे के अलावा दूसरे किरदार निभाए हैं। साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म भीड़ में कोरोना महामारी के बाद उपजे हालात को दिखाया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान एक पुलिस अधिकारी को प्रवासी श्रमिकों को सीमा पार करने से रोकने का काम सौंपा गया है। पुलिस वाला जब लोगों की पीड़ा को देखता है तो वह लोगों की मदद करने लगता है। पुलिस अफसर के किरदार को

राजकुमार राव ने अछे से निभाया है।साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म छलांग एक स्पोर्ट्स कॉमेडी ड्रामा है। फिल्म में राजकुमार राव ने एक खेल अध्यापक की भूमिका निभाई है। फिल्म में वह एक आलसी प्रशिक्षक हैं, जो नौकरी में बने रहने के लिए न्यूनतम काम करते हैं। फिल्म में तब मजा आता है जब एक नया शिक्षक उनकी नौकरी और उनसे प्यार करने वाली महिला को छीनने की धमकी देता है। फिर राजकुमार राव एक्शन मोड में आते हैं।

साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म न्यूटन में राजकुमार राव ने रिटर्निंग अफसर का किरदार निभाया है। फिल्म में राजकुमार राव को एक ऐसे इलाके में चुनाव की ड्यूटी के लिए भेजा जाता है जो राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील है। राजकुमार राव अपनी ड्यूटी बखूबी निभाते हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने अछी आदाकारी की है। फिल्म को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के अलावा कई दूसरे अवॉर्ड्स भी मिले थे।

साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म अलीगढ़ एक प्रोफेसर पर आधारित थी। फिल्म में मनोज बाजपेयी अहम किरदार में थे। इस फिल्म में राजकुमार राव ने एक पत्रकार की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के मराठी भाषा के प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास रामचन्द्र सिरस पर आधारित थी। फिल्म में दिखाया गया है कि एक प्रोफेसर जिसकी फीलिंग दूसरे लोगों से अलग थी, उन्हें कितनी दिक्कतें हुईं। फिल्म में राजकुमार राव एक सचे पत्रकार की भूमिका निभाते हैं। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म शाहिद एक वकील की कहानी पर आधारित थी। शाहिद आजमी जिन पर पूर्व आतंकवादी कार्यकर्ता का इल्जाम लगता है, वह बाद में एक वकील बन जाते हैं। वह उन लोगों के लिए न्याय पाने के लिए लड़ते हैं, जिन्हें आतंकवाद के झूठे आरोप में दोषी ठहराया गया है। इस किरदार को राजकुमार राव ने बखूबी निभाया है। फिल्म की खूब सराहना हुई थी।

क्या आलिया भट्ट बनने की राह पर बढ़ रही हैं अनन्या पांडे?

'केसरी 2' को लेकर चर्चा में एक्ट्रेस

हाल ही में अनन्या पांडे, अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी 2' में नजर आईं। इस फिल्म में एक्ट्रेस के किरदार को भी सराहा गया। फिल्म की कहानी में वह जलियांवाला बाग हत्याकांड का केस लड़ने वाले सी शंकरन नायर के साथ ही एक वकील की भूमिका में दिखीं। यह फिल्म अनन्या की इमेज बदलने का काम भी कर रही है। साथ ही ऐसा लग रहा है कि अनन्या, आलिया भट्ट के रास्ते पर आगे बढ़ रही हैं, अपने करियर को आलिया की तरह ही बनाना चाहती हैं। जानिए, ऐसा किन कारणों से कहा जा सकता है?

फिल्मों के चयन में बदलाव दिखने लगा साल 2019 में अनन्या पांडे ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से करियर शुरू किया। एक्टिंग के मामले में वह इसमें काफी कमजोर नजर आईं। फिर वह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो(2019)' में दिखीं, इसमें भी अनन्या का किरदार कुछ हटकर नहीं था। लेकिन साल 2022 में 'गहराइयां' जैसी फिल्म में वह दीपिका पादुकोण के सामने खड़ी नजर आईं। इस फिल्म में अनन्या ने खुद की एक्टिंग को भी थोड़ा बेहतर किया। इसी साल 'लाइगर'

भी की। साल 2023 में अनन्या ने फिल्मों के चुनाव में बदलाव शुरू किया, 'ड्रीम गर्ल' जैसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म की तो 'खो गए हम कहां' जैसी अलग सब्जेक्ट वाली फिल्म में दिखीं। इस तरह साल 2024 में भी 'कंट्रोल' नाम की फिल्म की, 'कॉल मी बे' जैसी वेब सीरीज की। 'कंट्रोल' जैसी फिल्म में सोशल मीडिया के बुरे असर को दिखाया गया, फिल्म में अनन्या की एक्टिंग भी निखरी हुई से लगती हैं। अब वह ' केसरी 2' में नजर आ रही हैं, जिसमें आजादी से पहले की एक वकील का किरदार कर रही हैं।

आलिया की राह पर आगे बढ़तीं अनन्या अनन्या के करियर ग्राफ को ध्यान से देखें तो पता चलता है कि वह हल्के किरदारों से करियर शुरू करती हुईं गंभीर, संजीदा किरदारों को निभाती हुई दिख रही हैं। ऐसा ही आलिया भट्ट ने भी अपने करियर में किया है। आलिया ने भी 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से करियर शुरू किया और 'हाइवे', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'राजी' और 'जिगरा' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इन्हीं फिल्मों के बीच वह रोमांटिक कॉमेडी फिल्में भी करती रहती हैं, 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी% इस बात का उदाहरण है। देखा जाए तो एक एक्ट्रेस के रूप में आलिया धीरे-धीरे निखरती गईं। अनन्या भी ऐसा ही करती दिख रही हैं, वह भी अपने फिल्मों के चयन में संतुलन बना रही हैं। 'केसरी 2' करने के बाद वह 'चांद मेरा दिल' जैसी रोमांटिक फिल्म करेंगी।

आलिया से तुलना पर खुश अनन्या सोशल मीडिया पर भी अनन्या पांडे के लिए कहा जाता है कि वह अगली आलिया भट्ट हैं। इस तारीफ से अनन्या भी काफी खुश होती हैं। वह इस बात को एक कॉम्पिलमेंट की तरह देखती हैं। कई इंटरव्यू में भी अनन्या ने कहा है कि वह आलिया भट्ट की तरह की अलग-अलग जॉनर की फिल्में करना चाहती हैं। अनन्या और आलिया में एक बात और कॉमन है, दोनों को ही करण जौहर ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की फिल्मों से बॉलीवुड में लॉन्च किया था।

हंसल मेहता की पार्टी में टकराए मनोज बाजपेयी और शबाना के नैना, पहली ही नजर में हार बैठे दिल

मनोज बाजपेयी की गिनती इंडस्ट्री के चोटी के कलाकारों में होती है। किरदार कैसा भी हो वे पूरी तरह उसमें ढल जाते हैं। ओटीटी की दस्तक के बाद तो उनके अंदर का कलाकार और शानदार तरीके से उभरा है। आज 23 अप्रैल को मनोज बाजपेयी का जन्मदिन है। मनोज बाजपेयी बिहार से ताल्लुक रखते हैं। वहां से निकलकर उन्होंने मायानगरी में अपना अलग व्यक्तित्व गढ़ा है। अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी मनोज बाजपेयी ने खूब सुर्खियां बटोरीं। जानते हैं पत्नी शबाना उर्फ नेहा के साथ उनकी लव स्टोरी...

पहली नजर में दे बैठे दिल

मनोज बाजपेयी की पत्नी का नाम नेहा है। हालांकि, यह नाम उन्होंने मनोज से शादी के बाद बदला। उनका असली नाम शबाना रजा है। शबाना, मनोज बाजपेयी का पहली

नजर वाला प्यार हैं। एक बातचीत में मनोज बाजपेयी ने हंसल मेहता की पार्टी के एक किस्से को याद करते हुए कहा कि पार्टी में शबाना ऑइली हेयर के साथ पहुंची थीं, लेकिन इसके बावजूद मनोज उनकी सुंदरता में खो गए। बताया कि इतनी बड़ी पार्टी में रजा ने किसी की बातों की परवाह नहीं की और ऑइली हेयर्स के साथ ही पहुंच गईं। रजा के इसी स्वभाव ने मनोज को उनकी ओर खींच लिया।

मनोज बाजपेयी ने कहा कि शबाना की इस खूबी से वे काफी प्रभावित हुए कि इतनी बड़ी पार्टी में वे इस बात से बेफिक्र रहीं कि लोग क्या कह रहे हैं। उनके अंदर की रियलिटी काफी पसंद आई। हंसल मेहता की पार्टी में पहली मुलाकात के बाद मनोज और शबाना के बीच बातचीत का सिलसिला चल पड़ा। 2006 में धर्म की दीवार को तोड़ एक-दूजे से शादी रचा ली। इनकी एक बेटी है।

इस फिल्म से किया शबाना ने डेब्यू प्यार को लेकर मनोज बाजपेयी का कहना है कि सही मायनों में प्यार करना काफी मुश्किल है और किसी को शादी जैसे मजबूत रिश्ते के लिए अपना अहंकार छोड़ना पड़ता है। मनोज बाजपेयी से शादी के बाद शबाना ने अपना नाम नेहा रख लिया। उन्होंने नेहा नाम से साल 1988 में फिल्म करीब से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसमें वे बॉबी देओल के साथ नजर आईं।

ओटीटी के किंग बने मनोज बाजपेयी को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काफी प्यार और नाम मिला है। उनकी फैमिली मैन सीरीज ने लोकप्रियता का शिखर छुआ है। इसके दो सीजन काफी हिट रहे हैं और अब दर्शकों को इसके तीसरे सीजन का इंतजार है।

आतंकी हमले से एक दिन पहले पहलगाम में घूम रहे थे दीपिका-शोएब, पोस्ट साझा कर कहा- हम सुरक्षित हैं

दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम अपने एक वर्षीय बेटे रूहान के साथ पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे। उन्होंने मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले की खबर के बाद प्रशंसकों के बीच चिंता पैदा कर दी। इस हमले में 27 से अधिक लोगों की मौत हो गई और लगभग 12 लोग घायल हो गए। यादातर घायलों की हालत अभी स्थिर है और उनका इलाज पहलगाम अस्पताल में किया जा रहा है, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को विशेष देखभाल के लिए श्रीनगर भेजा गया है।

पहलगाम से तस्वीरें साझा कर रहे थे दीपिका-शोएब आतंकी हमले की खबरों के बाद सेलिब्रिटी कपल के प्रशंसकों ने उनके लिए चिंता व्यक्त की, जो अपने सोशल मीडिया पर कश्मीर से वीडियो और तस्वीरें साझा कर रहे थे। दीपिका ने आतंकी हमले से ठीक दो दिन पहले पहलगाम में टहलते हुए खुद का एक वीडियो साझा किया था। सुरम्य स्थान को दर्शाने वाले उनके हालिया पोस्ट को देखते हुए प्रशंसक परेशान हो गए, जब यह घटना उसी क्षेत्र में हुई, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के रूप में जाना जाता है।

शोएब की पोस्ट हालांकि, शोएब ने मंगलवार की रात को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रशंसकों को आश्वस्त करते हुए बताया कि वह और उनका परिवार सुरक्षित हैं। उन्होंने लिखा, हाय दोस्तों, आप सभी हमारी भलाई के लिए चिंतित हैं... हम सब सुरक्षित हैं, ठीक हैं। आज सुबह हम कश्मीर से निकले और सुरक्षित दिल्ली पहुंच गए हैं। आपकी चिंता के लिए धन्यवाद।

बेटे के साथ दीपिका-शोएब की पहली यात्रा यह दीपिका और शोएब की अपने बेटे रेहान के साथ पहली यात्रा थी। इससे पहले ऐसी अफवाहें थीं कि दीपिका और शोएब सात साल की शादी के बाद तलाक लेने जा रहे हैं। हालांकि, शोएब द्वारा हाल ही में पोस्ट किए गए एक व्लॉग में इस जोड़े ने इस बात को साफ कर दिया।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हराया

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 40वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों की मदद से लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया है। लखनऊ ने एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए, जबकि पोरेल ने 36 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान अक्षर पटेल ने 20 गेंदों पर 34 रन की दमदार पारी खेली। जबकि कुरुण नायर सिर्फ 15 रन का योगदान दे सके। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए दोनों सफलताएं एडन मार्करम को मिले। इससे पहले, लखनऊ ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। लखनऊ के लिए एडन मारक्रम ने 52 रन और मिचेश मार्श ने 45 रन की पारी खेली। इनके अलावा, आयुष बडोनी ने 36 और डेविड मिलर ने 14 रन बनाए। शेष कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। जबकि कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर बल्ले से विफल रहे और बिना कोई खाता खोले पवेलियन लौटे। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मुकेश कुमार ने सबसे अधिक 4 विकेट अपने नाम किए। जबकि दुष्मथ चमीरा और मिशेल स्टार्क को एक-एक सफलता मिली।

केएल राहुल ने आईपीएल में हासिल की बड़ी उपलब्धि

डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा; दिल्ली की जीत में चमके

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। राहुल आईपीएल में सबसे कम पारियों में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा। राहुल ने लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों से लखनऊ सुपर जाएंट्स को आठ विकेट से हराया। लखनऊ ने इकाना स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए।

5000 रन पूरे करने वाले आठवें बल्लेबाज केएल राहुल ने इसके साथ ही आईपीएल में 5000 रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम पारियों में ऐसा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि पूरी की और डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया। वॉर्नर ने 135 पारियों में आईपीएल में 5000 रन पूरे किए थे। वॉर्नर ने 2020 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ यह उपलब्धि नाम दर्ज की थी। इस सूची में तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 157 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि एबी डिविलियर्स 161 और शिखर धवन 168 पारियों के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। राहुल आईपीएल इतिहास में आठवें बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस टूर्नामेंट में 5000 रन बनाए हैं। राहुल के अलावा कोहली, रोहित शर्मा, धवन, वॉर्नर, सुरेश रैना, महेंद्रि सिंह धोनी और डिविलियर्स ऐसा कर चुके हैं।

दिल्ली की छठी जीत मैच की बात करें तो दिल्ली ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। दिल्ली की आठ मैच में यह छठी जीत है। यह पांचवीं बार है जब किसी सीजन दिल्ली ने शुरुआती आठ में से छह मुकाबले जीते हैं। दिल्ली ने आईपीएल 2025 से पहले 2009, 2012, 2020 और 2021 सीजन में भी शुरुआती आठ में से छह मैच जीते थे। दिलचस्प बात यह है कि जब भी दिल्ली ने ऐसा किया है वो प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। इस जीत के साथ ही दिल्ली के 12 अंक हो गए हैं और वह गुजरात टाइटंस के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

दिल्ली के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ाने के बाद जहीर से चर्चा करते दिखे पंत, वीडियो हुआ वायरल

लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत टीम के मेंटर जहीर खान के साथ तीखी बहस करते नजर आए। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन सलामी जोड़ी के पवेलियन लौटने के बाद उसकी पारी लड़खड़ा गई। पंत इस मैच में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। ऐसा लग रहा था कि वह जहीर के साथ बल्लेबाजी स्थान को लेकर बहस कर रहे हैं। लखनऊ ने दिल्ली के सामने 160 रनों का लक्ष्य रखा था जिसे दिल्ली ने आठ विकेट शेष रहते ही हासिल कर लिया था।

अंतिम ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे पंत पंत बल्लेबाजी के लिए उस वक्त उतरे जब लखनऊ की पारी समाप्त होने में दो गेंद शेष थी। पंत इस मैच में भले ही दो गेंद खेलने उतरे, लेकिन खाता भी नहीं खोल सके और उन्हें मुकेश ने पारी की अंतिम गेंद पर बोल्ड किया। लखनऊ की पारी समाप्त होने के बाद ड्रेसिंग रूम में निराश नजर आए। सबसे ज्यादा हैरानी की बात पंत का निचले क्रम पर उतरना

रहा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सातवें नंबर पर उतरने का फैसला पंत का था या टीम प्रबंधन ने उन्हें देर से उतरने कहा था।

मार्करम-मार्श ने दिलाई थी अच्छी शुरुआत पहले बल्लेबाजी करते हुए मार्श और मार्करम ने लखनऊ को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े। मार्करम ने इस दौरान 30 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया जो उनका इस सीजन चौथा पचासा है। दुशमंता चमीरा ने हालांकि, मार्करम को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मार्करम के आउट होते ही लखनऊ की पारी लड़खड़ा गई और उसने 23 रन के अंतराल पर चार विकेट गंवा दिए। लखनऊ की स्थिति खराब दिख रही थी, लेकिन पंत क्रीज पर नहीं उतरे। प्रशंसकों की इस बात से हैरानी हुई कि जब टीम को पंत की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब वह क्यों नहीं उतरे। पंत को अंतिम ओवर में जाकर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। पंत के इतनी ऊपरी क्रम पर उतरने से प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना की। पंत इस बात से काफी गुस्से में थे और ड्रेसिंग रूम में उन्हें जहीर खान के साथ तीखी बहस करते भी देखा गया। यह तीसरी बार है जब पंत आईपीएल में सातवें स्थान पर उतरे थे। इससे पहले वह 2016 में दो बार इस स्थान पर बल्लेबाजी के लिए आए थे।

इस सीजन प्रभावित नहीं कर सके हैं पंत निकोलस पूरन के आउट होने के बाद माना जा रहा था कि पंत बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे, लेकिन लखनऊ ने उनकी जगह डेविड मिलर को उतारा। पारी खत्म होने के बाद जिस तरह पंत टीम प्रबंधन से बहस करते नजर आए, उससे इस बात की अटकलें लगाई जा रही है कि वह इस फैसले से खुश नहीं थे। पंत को लखनऊ ने मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन वह अब उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। पंत ने इस सीजन अब तक नौ पारियों में 96.36 के स्ट्राइक रेट और 13.25 के औसत से 106 रन बनाए हैं। पंत के बल्ले से इस दौरान अब तक एक अर्धशतक निकला है।

भारत के विरुद्ध पाकिस्तान के जिहादी युद्ध का कठोरतम जवाब जरूरी: विहिप नेता डॉ. सुरेंद्र जैन

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि अब समय आ गया है कि इस्लामिक जिहादी पाकिस्तान और उसके कश्मीरी स्लीपर सेल के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित कर घाटी में पुनः सिर उठाने का दुस्साहस करने वाले मजहबी आतंकवाद का समूल नाश किया जाए।

उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी के पहलगाम में जिस प्रकार यात्रियों के कपड़े उतारकर, कलमा पूछ कर और आईडी चेक कर, जब यह सुनिश्चित हो गया कि वे मुस्लिम नहीं है, उनका नरसंहार किया गया, घोर निंदनीय है। इस अमानवीय घटना पर संपूर्ण देश स्तब्ध व आक्रोशित है। डॉ. जैन ने कहा कि 1990 के आतंकवाद के दिनों की वापसी का दुस्साहस हो रहा है। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के स्लीपर सेल आज भी मौजूद है। सेल पाकिस्तान के इशारे पर ऐसी घृणित कायराना हरकत करने के लिए तैयार रहता है। उन्होंने स्मरण कराया कि कुछ दिन पूर्व एक सांसद ने कहा था कि कश्मीर में जो यात्री या पर्यटक आ रहे हैं या जमीन खरीद रहे हैं वे यहां सांस्कृतिक अतिक्रमण कर रहे हैं। उसके कुछ दिन के बाद ही पाकिस्तान के सेना अध्यक्ष ने कहा कि था हमारे सामने कश्मीर को वापस लेना ही एक मात्र एजेंडा रह गया है। अपने उसे एजेंडे की पूर्ति के लिए ही शायद उसने यहां जिहादी आतंकवादी हमला कराया।

डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि यह सामान्य आतंकवादी घटना नहीं है। यह पाकिस्तान की भारत के विरुद्ध खुले युद्ध की घोषणा है। इसका जवाब भारत सरकार को शक्ति से देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आतंकवाद के दिन दोबारा लौटने का और पाकिस्तान का कोई नेता या सैन्य अधिकारी इस तरह के शब्द बोलने की दुस्साहस ना कर सके।

डॉ. जैन ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि आतंकवादी का कोई धर्म नहीं होता लेकिन उसका मजहब अवश्य होता है, यह साफ दिखाई देता है। उन्होंने सवाल किया कि भारत के मुस्लिम नेता इस निर्मम नरसंहार पर क्यों चुप्पी साधे हैं? वे वक्फ एक्ट का झूठा डर दिखाकर पूरे देश में अफरा तफरी मचा सकते हैं लेकिन, कश्मीर घाटी में मारे गए इन मासूम हिंदू यात्रियों की हत्या के विरोध में सड़क पर उतरने का साहस नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इस पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए अन्यथा यह आक्रोश और बढ़ सकता है। विहिप नेता ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद व बजरंगदल के कार्यकर्ता 25 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी नई दिल्ली पहुंचते ही जयशंकर, डोभाल, मिस्री से मिले

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अन्य अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक की है। इसके बाद वो हाई लेवल मीटिंग करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी आज सुबह ही सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा को बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे हैं।

उन्होंने नई दिल्ली पहुंचते ही सबसे पहले जयशंकर आदि के साथ संक्षिप्त बैठक की। इस बैठक में और क्या-क्या चर्चा हुई, इसका आधिकारिक विवरण अभी नहीं मिल सकता है। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई है। इस बीच जानकारी मिली है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण भी अपनी अमेरिका और पेरू की आधिकारिक यात्रा को बीच में ही समाप्त कर स्वदेश लौट रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर हमले की निंदा करते हुए लिखा, जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

आतंकी हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों की मौत पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ट्रंप ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और इस जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत को पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक्स पर लिखा, ऊषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हैं। इस भयावह हमले पर शोक जताते हुए हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।

पहलगाम आतंकी हमले में गुजरात के तीन लोगों की मौत की पुष्टि

भावनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों में गुजरात के तीन लोग भी हैं। इसकी आधिकारिक पुष्टि हो गई है। भावनगर के पिता-पुत्र हमले के बाद लापता थे, दोनों का शव बरामद हो गए हैं। मंगलवार को सूरत के एक युवक की मौत की पुष्टि हुई थी।

पहलगाम में हुएआतंकी हमले में 27 लोगों की मौत हुई है। सबसे पहले सूरत के युवक शैलेष कलठिया की मौत होने की पुष्टि हुई। भावनगर के पिता-पुत्र की मौत की पुष्टि आज सुबह प्रशासन ने की। यह हैं भावनगर के कालियाबीड क्षेत्र में रहने वाले यतीशभाई और उनके पुत्र स्मित। दोनों पिता-पुत्र मंगलवार से लापता थे। स्मित की माता सही सलामत मिली हैं। भावनगर से 20 लोगों का ग्रुप जम्मू-कश्मीर गया था। इस ग्रुप में भावनगर के कालियाबीड क्षेत्र के यतीशभाई परमार, उनकी पत्नी काजलबेन और पुत्र स्मित भी शामिल थे। भावनगर निवासी यतीश परमार (45) हेयर सैलून चलाते थे। जबकि उनका 17 वर्षीय पुत्र स्मित कक्षा 11वीं में पढ़ाई कर रहा था। एक अन्य व्यक्ति विनुभाई डाभी के हाथ में गोली छूते हुए निकल गई। उनका इलाज चल रहा है। ग्रुप के अन्य 17 लोग सुरक्षित हैं। एक अन्य युवक मूल अमरेली के दामनगर धूफणिया गांव के निवासी और सूरत में रहने वाले शैलेष कलथिया की मौत की पुष्टि मंगलवार को ही हो गई थी। वह सूरत के नाना वराछा के चीकूवाडी स्थित हरिकुंज विभाग 2 के 29 नंबर मकान में रहता था। शैलेष भाई बैंक ऑफ बड़ौदा में काम करता था।

पहलगाम हमला... दुनिया के शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साथ देने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की दुनिया भर के शीर्ष नेताओं ने निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता की प्रतिबद्धता दोहराई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि गुनहगारों को बख्शा नहीं जाएगा। हमले के समय वो सऊदी अरब के दौरे पर थे। हमले के बाद वो समय से पहले जेद्दा से स्वदेश लौट आए हैं। इस समय अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस परिवार के साथ भारत की यात्रा पर हैं। उन्होंने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वेंस ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, ऊषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में हम इस देश और यहां के लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हो गए हैं। इस भयानक हमले में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।

ट्रंप ने कहा- अमेरिका आतंक की इस लड़ाई में भारत के साथ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, कश्मीर से अत्यंत दुखद खबर आ रही है। आतंक की इस लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ खड़ा है। हम मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों को हमारा पूर्ण समर्थन है और गहरी सहानुभूति है। इसके अलावा ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर भी बात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। ट्रंप ने इस जघन्य हमले के दोषियों को इंसाफ के कटघरे में लाने के लिए भारत के प्रति पूरा समर्थन व्यक्त किया।

नेतन्याहू ने कहा-यह बर्बर है...इजराइल भारत के साथ

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बर्बर हमला बताया है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े रहने की बात कही है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, मेरे दोस्त नरेन्द्र मोदी, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले से मैं गहरे तौर पर दुखी हूं, जिसमें दर्जनों निर्दोष लोग मारे गए और घायल हुए हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थना पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजराइल भारत के साथ खड़ा है।

यूरोपीय संघ ने कहा-भारत की इच्छा शक्ति अटूट

यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इसे %घृणित आतंकवादी हमला% बताया और कहा कि भारत की इच्छा शक्ति अटूट है। उन्होंने एक्स पर लिखा, पहलगाम में घृणित आतंकवादी हमले ने कई निर्दोष जानें ले लीं। नरेन्द्र मोदी और शोक मना रहे हर भारतीयों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मुझे पता है कि भारत की इच्छा शक्ति अटूट है। आप इस मुश्किल घड़ी में मजबूती के खड़े रहेंगे और यूरोप आपके साथ खड़ा है।

जर्मनी ने कहा-वह भारत के साथ, ब्रिटेन ने कहा-भयावह

जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने इस हमले को बर्बर बताते हुए इसकी निंदा की है। एक्स पर लिखे संदेश में मंत्रालय ने कहा है कि इस मुश्किल घड़ी में जर्मनी भारत के साथ खड़ा है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर ने एक्स पर लिखा, कश्मीर में हुआ भयानक आतंकवादी हमला बेहद भयावह है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों, उनके प्रियजनों और भारत के लोगों के साथ हैं।

सऊदी अरब ने कहा-यह आपराधिक कृत्य

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इसे %आतंकवादी हमला% बताया और इसकी कड़ी निंदा की। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने %भयानक हमले% की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। यूएई ने भी बयान जारी कर इसे आपराधिक कृत्य बताया और कड़ी निंदा की। यूएई के विदेश मंत्रालय ने भारत सरकार और इस जघन्य हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।

ईरान ने आतंकी हमले की निंदा की

नई दिल्ली में ईरान के दूतावास ने एक्स पर बयान जारी कर हमले की कड़ी निंदा की है। बयान के अनुसार, नई दिल्ली में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है, जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए हैं और घायल हुए हैं। दूतावास ने पीड़तों और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। मुस्लिम वर्ल्ड लीग के सेक्रेटरी जनरल शेख मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इसा ने भी भयानक आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्ति की है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में लगातार हो रहा है उतार -चढ़ाव, सेंसक्स और निफ्टी में मामूली तेजी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार 7वें कारोबारी दिन जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण सेंसेक्स आज एक बार फिर 80 हजार अंक के स्तर को पार कर गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। इस खींचतान के बावजूद शेयर बाजार लगातार हरे निशान में बना रहा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचसीएल टेक्नोलॉजी, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टीसीएस के शेयर 7.08 प्रतिशत से लेकर 2.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, बजाज ऑटो, ट्रेंट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयर 0.49 प्रतिशत से लेकर 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,411 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,341 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,070 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 546.50 अंक उछल कर 80,142.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक उछल कर 80,254.55 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू होने पर इस सूचकांक ने कुछ देर के लिए 79,715.05 अंक तक गोता भी लगाया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10-15 बजे सेंसेक्स 135.77 अंक की मजबूती के साथ 79,731.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 190.35 अंक की तेजी के साथ 24,357.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 24,359.30 अंक तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये 24,189.55 अंक तक लुढ़क भी गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10-15 बजे निफ्टी 25.05 अंक की मजबूती के साथ 24,192.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 187.09 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,595.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 41.70 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,167.25 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

ग्लोबल मार्केट से जोरदार तेजी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी चौतरफा लिवाली का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्ती तेजी के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी आज चौतरफा तेजी नजर आ रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूएस फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर पहले दिए गए बयान से पलट जाने के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 1,000 अंक उछल गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 129.56 अंक यानी 2.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,287.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 429.52 अंक यानी 2.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,300.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 479.69 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39,666.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,328.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.55 प्रतिशत उछल कर 7,326.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,293.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आज तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक आज बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 102 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,279 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.94 प्रतिशत उछल कर 3,830.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 732.16 अंक यानी 3.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,525.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 746.34 अंक यानी 2.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 34,966.94 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

इनके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 520.01 अंक यानी 2.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,082.33 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 1.55 प्रतिशत उछल कर 2,525.13 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,611 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.99 प्रतिशत की तेजी के 1,155.32 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 3,301.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569